पटना ● शनिवार, 28 सितम्बर 2024 मूल्यः 5:00, पृष्ठः 8 वर्षः 5, अंकः258 www. bordernewsmirror@gmail.com 9471060219, 9470050309

BORDER NEWS MIRROR BNM to the point...

राष्ट्रीय द्विभाषिक समाचार पत्र

RNI N.- BIHBIL/2022/88070

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

नगर निगम पूरे जिले की पहचान... 3 www. bordernewsmirror.com आयुष्मान खुराना-पश्मीना... 8

जमानत की शर्तों को जेल में रखने का टूल ना बनाएं

सुप्रीम कोर्ट की ईडी पर सख्त टिप्पणी,जमकर सुनाया

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि जमानत देने की सख्त शर्तों को लागू करके किसी को लंबे समय तक जेल में रखना उचित नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि पीएमएलए, यूएपीए और एनडीपीएस ऐक्ट के मामलों में जल्द से जल्द निपटारा करने की जरूरत है।

सुनवाई में देरी और जमानत देने में सख्त नियमों को लागू करके आरोपी को जेल में ही कैद रखना ठीक नहीं है। तमिलनाडु के पूर्व मंत्री सेंथिल बालाजी की जमानत याचिका पर सुनवाई करते हुए जस्टिस अभय एस ओका और ऑगस्टीन जॉर्ज की बेंच ने कहा कि कार्यपालिका को भी उन कानूनों पर ध्यान देना चाहिए जिनमें आरोपी पर ही खुद को निर्दोष साबित करने की जिम्मेदारी होती है।

कोर्ट ने कहा कि यह मामला 2022-2016 के दौरान का है जब सेंथिल बालाजी परिवहन मंत्री हुआ करते थे। व 15 महीने से जेल में हैं और फिलहाल निकट भविष्य में इस मामले का हल निकलता दिखाई नहीं

दे रहा है। ऐसे में उन्हें जमानत दी जा रही है। कोर्ट ने कहा कि इस मामले में 2 हजार आरोपी और 500 गवाह हैं।

ऐसे में मामले की सुनवाई और फैसले में ज्यादा वक्त लगने की संभावना है। कोर्ट ने कहा कि अब तक के साक्ष्यों को देखें तो सेंथिल बालाजी के खिलाफ ऐसा कोई सबूत नहीं है जिससे पता चले कि उनके बैंक अकाउंट में 1.34 करोड़ रुपये जमा किए गए। यह भी नहीं कहा जा सकता कि याचिकाकर्ता के खिलाफ कोई केस नहीं बनता। वहीं ईडी को जमानत के सख्त प्रावधान धारा 45 (1) को इस्तेमाल करने की अनुमति भी नहीं दी जा सकती क्योंकि आरोपी लंबे समय से हिरासत में हैं। वहीं बेंच ने कहा कि बालाजी को हर सोमवार और शुक्रवार को ईडी के पास हाजिरी देनी होगी। वहीं मनी लॉन्ड्रिंग केस में सुनवाई के दौरान उन्हें कोर्ट में भी हाजिर रहना होगा।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा, मंत्री रहते हुए बालाजी पर आरोप लगे थे। वहीं न्याय व्यवस्था में जमानत एक नियम है और जेल अपवाद है। ऐसे में जमानत के सख्त नियमों को किसी को जेल में डाले रखने का हथियार नहीं बनाया जा सकता है।

सीआरपीसी और बीएनएस में उलझी लोकायुक्त पुलिस

● कर्नाटक सीएम सिद्धारमैया के खिलाफ दर्ज नहीं हो पाया केस

बेंगलुरु (एजेंसी)। लोकायुक्त पुलिस मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण (एमयूडीए) भूमि आवंटन मामले में मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने के लिए कानूनी स्पष्टीकरण मांग रही है। यह जानकारी सूत्रों ने बृहस्पतिवार को दी। कर्नाटक की एक विशेष अदालत ने मैसूर शहरी विकास प्राधिकरण (एमयूडीए) भूखंड आवंटन मामले में कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के खिलाफ बुधवार को लोकायुक्त पुलिस से जांच कराने का आदेश दिया। इसके साथ ही उनके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने का रास्ता साफ हो गया। विशेष अदालत के

न्यायाधीश संतोष गजानन भट्ट के इस आदेश से एक दिन पहले कर्नाटक उच्च न्यायालय ने इस मामले में सिद्धारमैया के खिलाफ जांच कराने की राज्यपाल थावरचंद गहलोत की मंजूरी को बरकरार रखा था। इस मामले में एमयूडीए द्वारा सिद्धारमैया की पत्नी बी एम पार्वती को 14 भूखंड आवंटित करने में अनियमितताएं बरतने का आरोप है। लोकायुक्त पुलिस के एक सूत्र ने बताया, ''हमने अभी तक मामला दर्ज नहीं किया है। कुछ कानूनी स्पष्टीकरण मांगे जा रहे हैं, क्योंकि विशेष अदालत ने दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) के तहत आदेश पारित किया है, जबकि उसे शायद भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) के तहत प्रक्रिया का पालन करते हुए आदेश पारित करना चाहिए था।

बेंगलुरु की कॉलोनी को 'पाकिस्तान' कहना पड़ रहा भारी

● कर्नाटक हाईकोर्ट के जस्टिस की बढ़ीं मुश्किलें,ट्रांसफर पर भी विचार

बेंगलुरु (एजेंसी)। बेंगलुरु की एक कॉलोनी को एक केस की सुनवाई के दौरान पाकिस्तान कहकर संबोधित करने वाले कर्नाटक हाई कोर्ट के जस्टिस वी श्रीशानंद की मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं। खबर है कि उनके ट्रांसफर पर भी चीफ जस्टिस की अगुवाई वाले सुप्रीम कोर्ट के कॉलेजियम ने विचार किया है। उन्हें कर्नाटक हाई कोर्ट के बाहर किसी और उच्च न्यायालय में भेजने पर विचार चल रहा है। यह विचार सुप्रीम कोर्ट के उन टॉप 5 जजों की बेंच कर रही है, जिसने उनकी टिप्पणी पर स्वत: संज्ञान लेते

हुए सुनवाई की थी और माफी मांग लेने के बाद मामले को बंद कर दिया गया। चीफ जस्टिस समेत सभी 5 जज कॉलेजियम का भी हिस्सा हैं। इन जजों में चीफ जस्टिस चंद्रचूड़ के अलावा जस्टिस संजीव खन्ना, जस्टिस बीआर गवई, जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस ऋषिकेश रॉय शामिल हैं। इन जजों की बेंच ने 20 सितंबर को इस मामले पर विचार किया था और फिर अंत में 25 सितंबर को मामला समाप्त कर दिया गया। अब खबर है कि जस्टिस वी. श्रीशानंद के ट्रांसफर पर भी कॉलेजियम में विचार चल रहा है। कर्नाटक हाई कोर्ट के रजिस्ट्रार जनरल की 23 सितंबर की रिपोर्ट में जस्टिस श्रीशानंद की कई गैर-वाजिब टिप्पणियों का जिक्र किया गया है। अब इस पर 5 जजों की कॉलेजियम विचार कर रही है कि क्यों न उनका ट्रांसफर कर दिया जाए। जस्टिस श्रीशानंद को लेकर इसलिए भी कॉलेजियम सख्त है क्योंकि उन्होंने इससे पहले भी कई विवादित टिप्पणियां की थीं।

कांग्रेस में डीलर-दलाल और दामाद की 3डी काम करती थी

शाह बोले-हरियाणा में हर अग्निवीर को पेंशन वाली नौकरी देंगे

गृहमंत्री शाह बोले-लोग गोहाना और मिर्चपुर कांड नहीं भूले हैं

रेवाड़ी (एजेंसी)। हरियाणा चुनाव को लेकर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को रेवाड़ी के बाद अंबाला में रैली की। अंबाला में शाह ने कहा- हरियाणा में जब कांग्रेस सरकार थी तो 3डी काम करती थी। जिसमें डीलर-दलाल और दिल्ली में बैठा दामाद शामिल है। शाह ने कहा कि कांग्रेस दलितों पर अत्याचार करती है। लोग अभी गोहाना और मिर्चपुर कांड भूले नहीं हैं। शाह ने कांग्रेस सांसद कुमारी सैलजा के बहाने पूर्व सीएम भूपेंद्र हुड्डा को घेरा। शाह ने कहा कि हुड्डा की मानसिकता है कि दलित बहन सैलजा को प्रचार के लिए बुलाया तो वे हार जाएंगे। शाह ने इससे पहले रेवाड़ी रैली में कहा- सेना में भर्ती होने वाले हर अग्निवीर को पेंशन वाली नौकरी देंगे। कांग्रेस वाले सेना का सम्मान नहीं करते। कांग्रेस ने सेनाध्यक्ष को गुंडा कहा था। शाह ने कहा- हरियाणा में कांग्रेस सरकार में डीलर-दलाल नियुक्ति पत्र देते थे, लेकिन बीजेपी में डाकिया देकर आता है। भाजपा सरकार ने डीलर-दामाद का नामोनिशान मिटा दिया। शाह ने राहुल गांधी को चुनौती दी कि वह कांग्रेस शासित राज्यों में एमएसपी लागू करके दिखाएं। शाह ने दोहराया कि हरियाणा में कांग्रेस की रैली में पाकिस्तान के नारे लगे। शाह बोले कि राहुल गांधी आरक्षण खत्म करना चाहते हैं, लेकिन जब तक भाजपा सरकार है, आरक्षण खत्म नहीं करने देंगे। शाह ने राहुल गांधी को कश्मीर में धारा 370 दोबारा लागू करने का भी चैलेंज दिया। अंबाला के बाद वे कुरुक्षेत्र के लाडवा में रैलियां करेंगे। 4 दिन पहले भी अमित शाह हरियाणा में प्रचार करने पहुंचे थे। उन्होंने फतेहाबाद के टोहाना और यमुनानगर के जगाधरी में रैली की थी। शाह ने कहा- हरियाणा के दलित भाई गोहाना कांडा और मिर्चपुर कांड अभी तक नहीं भूले। कांग्रेस के शासन काल में दलितों का हमेशा ही शोषण हुआ है।

तिरुपति लड्डू विवाद

पूर्व सीएम जगन मोहन को मंदिर जाने की इजाजत नहीं

● 28 सितंबर को अनुष्ठान करने वाले थे, पूर्व सीएम बोले-राज्य में राक्षसों की सरकार

तिरुपति (एजेंसी)। आंध्र प्रदेश के पूर्व सीएम जगन मोहन रेड्डी ने तिरुपति मंदिर का दौरा कैंसिल कर दिया। जगन रेड्डी ने कहा, पुलिस ने मंदिर यात्रा को लेकर राज्य भर के वायएसआर नेताओं को नोटिस जारी किया है। नोटिस में कहा गया है कि हमें तिरुमाला मंदिर जाने की इजाजत नहीं है। राज्य में राक्षसों का राज जारी है। जगन कल यानी 28 सितंबर को तिरुपति के भगवान वेंकटेश्वर मंदिर में विशेष अनुष्ठान करने वाले थे। इधर, आंध्र प्रदेश सरकार की बनाई हुई 9 सदस्यों वाली टीम ने तिरुपति के प्रसादम में एनिमल फैट पाए जाने के मामले की जांच शुरू कर दी है। टीम को गुंटूर रेंज के सर्वश्रेष्ठ त्रिपाठी लीड कर रहे हैं। लड्डू विवाद तब शुरू हुआ, जब सीएम चंद्रबाबू नायडू ने 18 सितंबर को यह आरोप लगाया कि वायएसआर कांग्रेस सरकार में मंदिर के लड्डू में जानवरों की चर्बी वाला वनस्पति तेल और फिश ऑयल मिलाया था। पूर्व सीएम रेड्डी गन्नवरम एयरपोर्ट से 4 बजे रेनिगुंटा जाएंगे।

अग्निवीरों को नौकरी में 15 फीसदी आरक्षण देगी ब्रह्मोस

फैसला लेने वाली देश की पहली कंपनी बनी,वजह भी बताई

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और रूस के संयुक्त वेंचर ब्रह्मोस एयरोस्पेस प्राइवेट लिमिटेड ने फैसला लिया है कि वह अपनी कंपनी में कम से कम 15 फीसदी तकनीकीं पदों को अग्नीवीरों के लिए आरक्षित करेंगे। सरकार की तरफ से कई संगठनों में अग्नीवीरों को प्राथमिकता देने की बात की गई है लेकिन किसी प्राइवेट कंपनी की तरफ से पहली बार ऐसा फैसला लिया गया है। कंपनी की तरफ से बताया गया कि तकनीकी पदों के अलावा प्राशसनिक और सुरक्षा की जरूरत के हिसाब से भी अग्निवीरों को ही प्राथमिकता दी जाएगी। फर्स्ट पोस्ट में छपी एक रिपोर्ट के मुताबिक दुनिया की सबसे तेज सुपरसोनिक मिसाइल बनाने वाली यह कंपनी अग्निवीरों के लिए अपने सामान्य कॉन्ट्रैक्ट सिस्टम से अलग हटकर काम करते हुए उन्हें आउटसोर्सिंग कॉन्ट्रैक्ट के तहत शामिल करेगी। इसके साथ- साथ कंपनी अपने व्यापार से जुड़े बाकी सहयोगी संगठनों को भी अग्निवीरों को अपने यहां काम पर रखने के लिए प्रोत्साहित कर रही है। भारत सरकार द्वारा सेना में भर्ती के लिए सामान्य प्रक्रिया को हटाकर 2022 से अग्निवीर योजना को शुरू किया गया था, जिसमें भर्ती होने वाले युवा को चार साल की अवधि के लिए सेना में अपनी सेवाएं देते हैं इस दौरान वह सैन्य रणनीतियों के अलावा तकनीकी दक्षता भी प्राप्त करते हैं। कंपनी के सीईओ ने पोस्ट से बात करते हुए बताया कि अग्नीवीर जब सेना में शामिल होते हैं तो उन्हें एक बेहतर प्रशिक्षण प्रक्रिया से गुजरना होता है जो उन्हें मजबूत बनाता है। जब हम उन्हें अपने यहां काम पर रखेंगे तो हमें उनकी ट्रेनिंग के लिए अलग से खर्च नहीं करना होगा। इससे हमारी कंपनी के अंदर एक बहुत प्रशिक्षित वर्क फोर्स होगी, जिससे कंपनी को ही फायदा होगा।

कंपनी के डिप्टी सीईओ के मुताबिक भारतीय रक्षा उद्योग में काम करने वाली 250 से अधिक टीम ब्रह्मोस का हिस्सा है। हमने सभी से बात की है। भारतीय रक्षा उद्योग अग्निवीरों के पहले बैच का इंतजार कर रहा है कि कब हम उन्हें अपने साथ अपनी टीम में शामिल कर पाएं। उन्होंने कहा कि हम इसका और ज्यादा विस्तार करना चाहते हैं। हमने अपने सभी विक्रेताओं से भी अनुरोध कर रहे हैं और इसके साथ ही हम अपने साथी संगठनों से भी बात कर रहे हैं। हम चाहते हैं कि सभी अपने संगठनों में कम से कम 15 प्रतिशत नौकरियां अग्निवीरों के लिए आरक्षित रखें।

यूएस में बार-बार हिंदू मंदिरों पर हमले से भड़का भारत

● अमरीकी अधिकारियों के सामने उठाया मामला,जताया विरोध

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका में कैलीफोर्निया के सैक्रामेंटो में हिंदू मंदिर में हुई तोड़फोड़ पर भारत ने कड़ी आपत्ति जताई है। खबर है कि इस संबंध में अमेरिकी अधिकारियों से भी संपर्क साधा गया है। मंदिर में अज्ञात बदमाशों ने नफरत फैलाने के मकसद से बीएपीएस मंदिर में तोड़फोड़ की और उसकी दीवारों पर 'हिंदुओं वापस जाओ' के नारे लिख दिए थे। कॉन्सुलेट जनरल ऑफ इंडिया ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, सैन फ्रांसिस्कों में कॉन्सुलेट जनरल ऑफ इंडिया 24 सितंबर की रात सैक्रामेंटो के स्वामिनारायण मदिर में हुई तोड़फोड़ की कड़ी निंदा करता है। एजेंसी ने इस मामले को स्थानीय अधिकारियों के सामने उठाया है, ताकि इस मामले पर तत्काल कार्रवाई की जा सके। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, अधिकारी इस तोड़फोड़ की घटना की जांच कर रहे हैं।

कई अफेयर, लालच और शादी का प्रपोजल बन गया 'काल'

बेंगलुरु की महालक्ष्मी हत्याकांड में लगातार खुल रहे बड़े राज

बेंगलुरु (एजेंसी)। बेंगलुरु में महालक्ष्मी हत्याकांड को लेकर लगातार नए खुलासे हो रहे हैं। पति की कहानी सुनने के बाद पहल अशरफ नाम के शख्स पर शक की सुई घूमी थी। हालांकि बाद में नृशंस हत्या की एक-एक कड़ियां खुलती चली गईं और पुलिस के जाल में मुख्य आरोपी मुक्ति रंजन रॉय फंस गया। महालक्ष्मी का शव करीब 18 दिन तक फ्रिज में पड़ा रहा। आरोपी ने धारदार हथियार से शव के 59 टुकड़े कर डाले थे। जानकारी के मुताबिक महालक्ष्मी और मुक्ति रंजन करीब 6 महीने से रिलेशनशिप में थे।

हालांकि उनके बीच कुछ भी ठीक नहीं चल रहा था। महालक्ष्मी पहले से ही शादीशुदा थी और अपने पति को छोड़कर अलग रहने लगी थी। मुक्ति और महालक्ष्मी के बीच भी अक्सर झगड़ा और मारपीट होती रहती थी। महालक्ष्मी व्यालिकवल इलाके में एक रूम के फ्लैट में रहती थीं। उनके झगड़े की बात किसी से छिपी नहीं थी। कई बार घर से निकलकर बाहर तक ड्रामा हो चुका था। माल्लेश्वरम पुलिस थाने में उनके झगड़े को लेकर शिकायत भी दर्ज करवाई गई थी। एक अधिकारी ने कहा कि कई बार उनके झगड़े को सुलझाने की भी कोशिश की गई। 3 सितंबर की रात मुक्ति रंजन महालक्ष्मी के फ्लैट पर पहुंचा। महालक्ष्मी ने उससे शादी को लेकर कुछ कहा। इसके बाद ही एक बार फिर बहस शुरू हो गई। महालक्ष्मी की शादी हेमंत दास से हुई थी और उसकी एक बेटी भी है।

एनसीपी नेता की पत्नी ने कलाम से की ओसामा लादेन की तुलना

● कहा-ओसामा बिन लादेन की भी बायोग्राफी पढ़ें,महाराष्ट्र में बवाल

मुंबई (एजेंसी)। एनसीपी (शरद पवार) नेता जितेंद्र आव्हाड की पत्नी ने स्कूल के एक कार्यक्रम के दौरान भाषण में ओसामा बिन लादेन और पूर्व राष्ट्रपति मिसाइलमैन एपीजे अब्दुल कलाम की तुलना कर दी। उन्होंने कहा कि ओसामा बिन लादेन की बायोग्राफी भी सबको पढ़नी चाहिए। वह जन्म से ही आतंकी नहीं था बल्कि परिस्थितियों ने उसे आतंकवादी बना दिया।

ऋता आव्हाड के इस बयान के बाद बीजेपी ने उन पर तीखा हमला किया है। बीजेपी नेता शहजाद पूनावाला ने कहा कि जितेंद्र आव्हाड की पत्नी खुले मंच से बच्चों से आतंकी ओसामा की बायोग्राफी पढ़ने को कह रही हैं। इंडिया गठबंधन के नेताओं की आदत में ही आतंकियों को डिफेंड करना है। उन्होंने कहा कि जितेंद्र अह्वाड ने भी इशरत जहां का समर्थन किया था। कांग्रेस और एसीपी शरद पवार पार्टी के नेता लगातार यूकूब, अफजल और कसाब के समर्थन में बयान देते रहते हैं। बीजेपी प्रवक्ता प्रदीप भंडारी ने कहा कि इंडिया गठबंधन तुष्टीकरण की राजनीति करता है।

संक्षिप्त समाचार

एक दीप स्वच्छता के नाम कार्यक्रम का आयोजन :किशनगंज में दीप जला कर कार्यक्रम की शुरुआत

किशनगंज। किशनगंज के टेढ़ागाछ प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत लोहिया स्वच्छता अभियान के तहत चलाए जा रहे स्वच्छता ही सेवा कार्यक्रम के तहत हाटगांव पंचायत में एक दिवसीय स्वच्छता कार्यक्रम का आयोजन हुआ। इस दौरान कचरा अपशिष्ट प्रबंधन भवन के प्लेटफार्म मे पदाधिकारियों ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत की। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर प्रखंड विकास पदाधिकारी अजय कुमार, अंचल अधिकारी शशि कुमार, पंचायती राज पदाधिकारी स्वच्छता सवन्यक दीपक कुमार और स्वच्छता कर्मी मौजूद रहे। इन्होंने दीप जलाकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। प्रखंड विकास पदाधिकारी अजय कुमार ने बताया कि स्वच्छता ही सेवा कार्यक्रम 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक पूरे प्रखंड क्षेत्र के सभी पंचायत में विशेष स्वच्छता अभियान चलाया जा रहा है। प्रखंड विकास पदाधिकारी अजय कुमार ने आगे बताया कि स्वच्छता मिशन को घर-घर तक पहुंचाने को लेकर बड़े पैमाने पर प्रचार प्रसार और रैली निकाली जा रही है। विभिन्न प्रकार के नुक्कड़ नाटकों से सभी गांव में लोगों को जागरूक किया जाएगा। प्रखंड क्षेत्र के अलग-अलग पंचायत में स्वच्छता कर्मी और पंचायत प्रतिनिधि व स्थानीय ग्रामीणों द्वारा सार्वजनिक स्थान में झाड़ू लगाकर ग्रामीणों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया जा रहा है।

पटना में सड़क हादसे में बच्चे की मौत :तेज रफ्तार ई-रिक्शा ने कुचला, मौके पर ही मौत

पटना। पटना में सड़क हादसे में तीन साल के बच्चे मो. इबरान की मौत हो गई। घटना पटना के बाढ़ थाना के समीप मसूदबीघा मोहल्ले की है। बताया जा रहा है कि इबरान अपने ननिहाल आया हुआ था। वह सड़क किनारे खेल रहा था तभी अनियंत्रित ई-रिक्शा ने बच्चे को कुचल दिया, घटनास्थल पर ही बच्चे की मौत हो गई। मौके पर स्थानीय लोगों की भीड़ जुट गई। स्थानीय लोगों ने ई-रिक्शा को क्षतिग्रस्त कर दिया। आक्रोशित परिजनों ने सड़क को घंटों जाम कर मसूदबीघा मोहल्ले में सड़क पर स्पीड ब्रेकर बनाने की मांग की। घटना की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और परिजनों को समझा-बूझाकर जाम को हटाया। वहीं चालक को हिरासत में लेकर ई-रिक्शा को जब्त कर लिया गया है। घटना के बाद से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। आक्रोशित परिजनों ने कहा कि छोटे-छोटे बच्चे भी हवा हवाई चलाते हैं और पुलिस मुकदर्शक बनी है। बच्चा सड़क किनारे खेल रहा था और अनियंत्रित हवा हवाई ने बच्चें को कुचल दिया, जिससे घटनास्थल पर ही मौत हो गई। मसूदबीघा में सड़क पर ब्रेकर दिया जाए, जिससे तेज गति से गाड़ी न गुजरे, यह घनी आबादी क्षेत्र है। इससे पहले भी ब्रेकर देने की मांग की गई थी। घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंचे थाना अध्यक्ष अरुण कुमार सिंह ने बताया कि घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और आक्रोशित भीड़ से चालक को बचाकर थाना ले जाया गया।

पंडित दीनदयाल के संकल्प और सपने को भाजपा पूरा कर रही : डॉ. दिलीप जायसवाल

पटना। पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती पर बुधवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय में कार्यक्रम हुआ। इस मौके पर भाजपा नेताओं ने मूर्ति पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। इस मौके पर भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. दिलीप जायसवाल ने कहा कि पंडित दीनदयाल ने अंत्योदय और एकात्म मानववाद का दर्शन प्रस्तुत कर समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास और समृद्धि पहुंचाने का संकल्प लिया था। उनके संकल्प को भाजपा नेतृत्व लगातार पूरा कर रह रही है। डिप्टी सीएम विजय कुमार सिन्हा ने कहा कि भाजपा का हर कार्यकर्ता अपने लिए रोटी की व्यवस्था कर राजनीति कर रहा है। वह समाज की सेवा में लगा हुआ है। पंडित दीन दयाल से प्रेरणा लेकर हमें समाज के हर कमजोर वर्ग के लिए काम करना चाहिए। डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी ने दीनदयाल उपाध्याय की 108वीं जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार उनके सपनों को साकार कर रही है। इस मौके पर दानिश इकबाल, अमित प्रकाश बबलू, अरविंद शर्मा, प्रवीण पटेल, आशुतोष शंकर सहित अन्य रहे।

पटना में बना बिहार का पहला स्पोर्ट क्लाइंबिंग वॉल

पटना। पाटलिपुत्र स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में स्पोर्ट क्लाइंबिंग वॉल सह प्रशिक्षण केंद्र की व्यवस्था हो गई है। इसकी ऊंचाई 30 फीट है। पहले दिन ही 53 युवाओं ने प्रशिक्षण लेने के लिए पंजीकरण कराया। स्पोर्ट क्लाइंबिंग ओलिंपिक का एक मान्य खेल है। सरकार बहुत जल्द राजगीर में अंतरराष्ट्रीय स्तर की क्लाइंबिंग वॉल बनाने जा रही है, जहां खिलाड़ी ओलिंपिक स्तर का प्रशिक्षण ले सकेंगे। वहां अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताएं भी आयोजित होंगी। खेल मंत्री सुरेंद्र मेहता ने बुधवार को क्लाइंबिंग वॉल सह प्रशिक्षण केंद्र का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि बिहार के पहले स्पोर्ट क्लाइंबिंग वॉल का शुभारंभ कर मुझे बहुत खुशी हो रही है। बिहार खेल की दिशा में बहुत तेजी से आगे बढ़ रहा है। नए-नए खेल की व्यवस्था यहां की जा रही है, ताकि बिहार के बच्चे किसी भी खेल में किसी से कम न रहें। सरकार गांव-गांव तक इसकी व्यवस्था का हरसंभव प्रयास कर रही है। स्पोर्ट क्लाइंबिंग खेल के साथ ही सेना और पुलिस के लिए भी बहुत जरूरी है।

भागलपुर में एक और बड़ा पुल ध्वस्त, पीरपैंती से झारखंड तक टूटा संपर्क

भागलपुर, एजेंसी। बिहार के भागलपुर जिले में पीरपैंती से बाखरपुर होते हुए बाबूपुर तक जाने वाली सड़क पर बड़ा हादसा हुआ है। बाखरपुर से बाबूपुर के बीच बना पुल पूरी तरह से ध्वस्त हो गया है, जिससे दियारा से बाबूपुर-बाखरपुर का सड़क संपर्क पूरी तरह से भंग हो गया है।

यह सड़क पीरपैंती बाजार से बाखरपुर, बाबूपुर होते हुए झारखंड को जोड़ती है, जो कि इस क्षेत्र के लोगों के लिए महत्वपूर्ण सड़क मार्ग है। इससे पहले भी चौखंडी के समीप पुल के जर्जर होने के कारण आवागमन पर रोक लगाई गई थी, जिससे लोगों को पहले से ही परेशानी का सामना करना पड़ रहा था।

अब लोगों को झारखंड के मिर्जाचौकी होते हुए 15-20 किलोमीटर अधिक घूम कर प्रखंड मुख्यालय आना पड़ रहा है, जिससे उनके समय और पैसे दोनों की बर्बादी हो रही है। इससे पहले परसुरामपुर, गोविंदपुर, तिलकधारी टोला होते हुए जाने वाले मार्ग पर भी पुलिया टूट गई थी, जिससे बाखरपुर, दियारा और आसपास के इलाकों के लोगों को परेशानी बढ़ गई है।

स्थानीय लोगों ने प्रशासन से पुल की तत्काल मरम्मत और सड़क संपर्क बहाल करने की मांग की है, ताकि उनकी दैनिक गतिविधियों में आसानी हो सके। उन्होंने कहा कि यदि जल्द ही पुल की मरम्मत नहीं की गई तो इससे और भी बड़ी दुर्घटनाएं हो सकती हैं।

सरकारी विद्यालयों में ऑनलाइन उपस्थिति नहीं बनाने वाले शिक्षकों के वेतन भुगतान पर लगेगी रोक

पटना, एजेंसी। एक अक्टूबर से राज्य के सरकारी विद्यालयों में आनलाइन उपस्थिति नहीं बनाने वाले शिक्षकों के वेतन भुगतान पर रोक लगेगी। इस संबंध में शिक्षा विभाग की ओर से सभी जिलों को दिशा-निर्देश दिया गया है। विभाग के अनुसार, आनलाइन उपस्थिति नहीं बनाने वाले शिक्षकों की संख्या लगभग 74,750 है। ऐसे शिक्षकों को शिक्षा विभाग ने आगाह करते हुए कहा है कि सभी शिक्षकों के लिए आनलाइन उपस्थिति बनाना अनिवार्य है। जो ऐसा नहीं करेंगे, उनके वेतन भुगतान पर रोक के साथ-साथ अनुशासनिक कार्रवाई भी की जाएगी शिक्षा विभाग के मुताबिक राज्य के सभी 81,223 प्रारंभिक, माध्यमिक और उच्च माध्यमिक विद्यालयों में वर्तमान में पांच लाख 52 हजार 570 शिक्षक कार्यरत हैं। इनमें चार लाख 78 हजार शिक्षक प्रतिदिन आनलाइन उपस्थिति बना रहे हैं। जो शिक्षक आनलाइन उपस्थिति नहीं दर्ज कर रहे हैं उनकी मानीटरिंग शिक्षा विभाग में स्थापित कंमाड एंड कंट्रोल सेंटर के माध्यम से की जा रही है। सभी सरकारी विद्यालयों में शिक्षकों के साथ-साथ कर्मचारियों के लिए आनलाइन उपस्थिति बनाना अनिवार्य कर दिया है। एक अक्टूबर से शिक्षकों को वेतन आनलाइन उपस्थिति के आधार पर भुगतान होगा। वहीं दिसंबर से छात्र-छात्राओं की आनलाइन उपस्थिति ली जाएगी। बता दें कि 25 जून से ही सरकारी विद्यालयों में शिक्षकों और कर्मियों के लिए आनलाइन उपस्थिति लागू है। विभागीय अधिकारी ने बताया कि अच्छी बात यह है कि सरकारी विद्यालयों में आनलाइन उपस्थिति बनाने वाले शिक्षकों का प्रतिशत निरंतर बढ़ रहा है। लेकिन, अब भी छह-सात प्रतिशत शिक्षक मोबाइल एप के माध्यम से आनलाइन उपस्थिति नहीं बना रहे हैं। इसके बारे में सभी जिला शिक्षा अधिकारियों को आवश्यक दिया-निर्देश जारी किया गया है जिसमें कहा गया है कि शत-प्रतिशत शिक्षकों द्वारा आनलाइन उपस्थिति बनाना सुनिश्चित कराएं।

राजगीर-पटना के बीच मेमू स्पेशल अब 31 दिसंबर तक चलेगी

नालंदा। राजगीर और पटना के बीच चल रही मेमू स्पेशल ट्रेन के परिचालन अवधि को रेलवे प्रशासन ने 31 दिसंबर तक बढ़ा दिया है। पहले यह ट्रेन 30 सितंबर तक चलने वाली थी, लेकिन यात्रियों की बढ़ती मांग को देखते हुए इसकी सेवा को तीन महीने और विस्तारित किया गया है। ट्रेन संख्या 03201 राजगीर से सुबह 6:30 बजे चलकर पटना 10:00 बजे पहुंचती है, जबकि वापसी में ट्रेन संख्या 03202 पटना से रात 20:55 बजे प्रस्थान करके राजगीर 23:55 बजे पहुंचती है। यह ट्रेन मार्ग में सिलाव, नालंदा, पावापुरी रोड, बिहारशरीफ, चेना, हरनौत, करनौती, बख्तियारपुर, टेका बिगहा, करोटा, खुशरूपुर, हरदास बिगहा, फतुहा, बक्तियारपुर, पटना साहिब और राजेंद्र नगर टर्मिनल स्टेशनों पर रुकती है।

श्रमजीवी एक्सप्रेस पर यात्रियों का दबाव कम हुआ

इस ट्रेन के परिचालन से न केवल आम यात्रियों को लाभ मिल रहा है, बल्कि हरनौत रेल कोच कारखाना में काम करने वाले कर्मचारियों को भी सुविधा हुई है। जो लोग बिहारशरीफ और राजगीर में रहकर नौकरी करते हैं, उन्हें आने-जाने का एक सस्ता और सुविधाजनक विकल्प मिला है।

यह ट्रेन सेवा पटना जाने वाले यात्रियों के लिए विशेष रूप से फायदेमंद साबित हो रही है। इससे श्रमजीवी एक्सप्रेस पर यात्रियों का दबाव भी कम हुआ है। पहले पटना से रात्रि में बिहारशरीफ और राजगीर के लिए कोई सीधी ट्रेन सुविधा नहीं थी, जिसका यह एक बेहतर विकल्प बन गया है। स्थानीय व्यापारियों और पर्यटन उद्योग से जुड़े लोगों ने भी इस फैसले का स्वागत किया है। उनका मानना है कि इससे क्षेत्र में पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा और स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी लाभ होगा।

वरिष्ठ पत्रकार एस एन श्याम राष्ट्रपति सेवा मेडल से सम्मानित

पटना। नागरिक सुरक्षा कोर (CIVIL DEFENCE) पटना के मुख्य वार्डन (CHIEF WARDEN) श्यामनाथ सिंह उर्फ़ एस एन श्याम को राष्ट्रपति ने होमगार्ड एवं सिविल डिफेंस सराहनीय सेवा पदक (Home guard and civil defence medal for meritorious servic) से सम्मानित किया है। बिहार सरकार के बिहार नागरिक सुरक्षा महानिदेशालय के अपर पुलिस महानिदेशक सह असैनिक सुरक्षा आयुक्त सुधांशु कुमार ने अपने कार्यालय कक्ष में आयोजित एक समारोह में राष्ट्रपति का सराहनीय सेवा मेडल श्री श्याम को हस्तगत करते हुए उनके सीने पर मेडल लगाया। गौरतलब है कि वर्ष 2010 में 15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर नागरिक सुरक्षा कोर में श्री श्याम की लगातार अति प्रसंसनीय योगदान को देखते हुए उन्हें राष्ट्रपति पुरस्कार हेतु बिहार सरकार द्वारा उनके नाम की अनुशंसा की गई थी। राष्ट्रपति ने वर्ष 2010 में ही राष्ट्रपति पदक हेतु श्री श्याम के नाम की घोषणा की थी। परंतु तकनीकी कारणों से कोलकाता के टकसाल में बनने वाले यह मेडल अगस्त 2024 में नागरिक सुरक्षा महानिदेशालय बिहार सरकार को प्राप्त हुआ। ज्ञात हो कि वरिष्ठ पत्रकार एस एन श्याम भारती श्रमजीवी पत्रकार संघ के राष्ट्रीय सचिव हैं।

भोजपुर में 6 दिन से लापता किसान का शव बरामद, हत्या कर शव को नदी में फेंका

आरा, एजेंसी। भोजपुर जिले के जगदीशपुर थाना क्षेत्र के शेषा टोला गांव से छह दिनों से लापता एक किसान का शव रूप बांध गांव स्थित छेर नदी के किनारे से बरामद किया गया है। मृतक 55 वर्षीय जगदीश चौधरी जगदीशपुर थाना क्षेत्र के शेषा टोला गांव निवासी स्व. नागेश्वर चौधरी के पुत्र थे।

वे पेशे से किसान थे। शव क्षत-विक्षत हालत में पाया गया है। इधर, स्वजन भूमि विवाद को लेकर पट्टीदार रहे लोगों पर ही गला दबाकर तथा मारपीट कर हत्या करने के बाद साक्ष्य मिटाने की नीयत से शव को नदी में फेंकने का आरोप लगा रहे हैं।

मृतक के पुत्र सोहन कुमार ने बताया कि पट्टीदार के ही लोगों से नौ डिसमिल जमीन को लेकर कुछ दिनों से विवाद चल रहा है। आरोप है कि जमीन को बेचने के लिए उक्त पट्टीदार के लोगों द्वारा अन्य व्यक्ति से डेढ़ लाख रुपये रकम ली गई है।

इस पर उनके पिता का कहना था कि पट्टीदारों को मुखिया और सरपंच से जमीन से जुड़ी जानकारी चेक करानी चाहिए। लेकिन, वे लोग नहीं माने। 19 सिंतबर की शाम जमीन संबंधी विवाद को लेकर उक्त पट्टीदार से झगड़ा भी हुआ था।

आरोप है कि झगड़े के दौरान आरोपियों ने सोहन के पिता और भाई को मारपीट कर जख्मी कर दिया था। पिता को धमकी दी गई थी के दो दिन के अंदर बता देंगे। 20 सितंबर की सुबह जब उसके पिता बौली पर उसी जमीन का कागज लेकर खेसरा और खतियान निकलवाने गए थे।

घर से निकलने के बाद कुछ देर बाद उक्त पट्टीदार भी उनके पीछे निकले थे। पट्टीदार के लोग घर वापस लौट आए, परंतु उसके पिता वापस नहीं लौटे। उन लोगों के द्वारा काफी खोजबीन की गई। लेकिन, कुछ पता नहीं चल पाया।

मृतक के बेटे सोहन ने पुलिस को दिए आवेदन में कहा कि इस बीच गुरुवार की देर शाम मेरे पिता का शव रूपबांध गांव के छेर नदी से बरामद हुआ। सूचना पर स्वजन फौरन वहां पहुंचे और शव को देख पहचान की। सोहन ने पट्टीदार बलिराम, रामदास, राम प्रसाद सहित अन्य लोगों को पिता की हत्या के मामले में आरोपी बताया है। मृतक जगदीश अपने एक भाई और एक बहन में बड़े थे। उनके परिवार में पत्नी तेतरी देवी, चार पुत्री इंदू कुमारी, चंदा कुमारी, चंद्रावती कुमारी, रिंकू व तीन पुत्र सोहन कुमार, सोनू कुमार एवं मोनू कुमार हैं। इस घटना के बाद से स्वजन का रो-रोकर बुरा हाल है।

कुआं में छापामारी करने गई थी पुलिस, जैसी ही देखा मिले 1490 राउंड जिंदा कारतूस

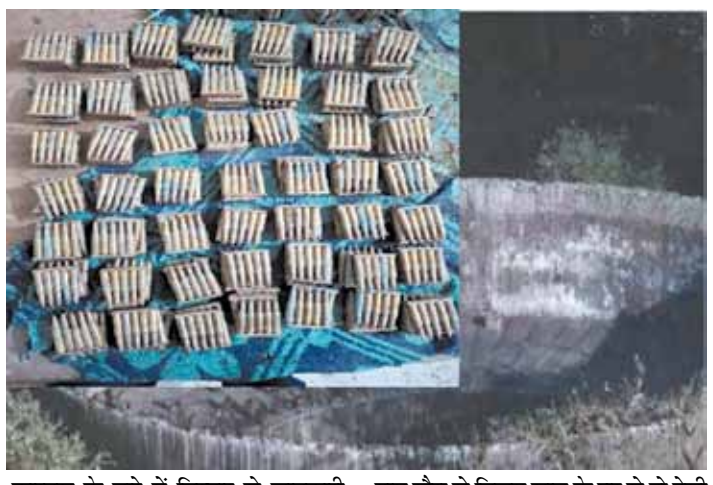

आंती (गया), एजेंसी। गया जिले के आंती थाना क्षेत्र के प्रधाना इसमाइलपुर पथ के मीठापुर गांव के कसियार बधार में स्थित कुआं से एसएलआर का 1490 राउंड जिंदा कारतूस पुलिस ने बरामद किया। जो पुलिस के बड़ी कामयाबी मानी जा रही है।

सूचना मिली कि एक कुंआ में भारी मात्रा में जिंदा कारतूस फेंका हुआ है। सूचना पर थानाध्यक्ष रंजीत कुमार, पीएसआई रौशन कुमार, एएसआई दशरथ सिंह के नेतृत्व में पुलिस बल के सहयोग से मीठापुर गांव के उतर दिशा के कसियार बधार में स्थित ग्राम दुखी बिगहा के 20 फिट के गहरे एक कुएं में से 1490 राउंड जिंदा कारतूस मंगलवार के दोपहर बरामद किया गया है। कुंआ में पानी नहीं रहने के कारण मात्र भीगी हुई मिट्टी के ऊपर कारतूस फेंका हुआ था। बरामद कारतूस एसएलआर की है।

बुधवार की सुबह टिकारी डीएसपी सुशांत कुमार चंचल घटनास्थल पर पहुंचे। जांच पड़ताल की है। इस संबंध में आंती थाना कांड दर्ज कर अग्रिम कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने बताया कि इस मामले में किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है। बरामद कारतूस के बारे में विस्तार से जानकारी हासिल की जा रही है।

आसपास के लोगों से भी पूछताछ की जा रही है।पुलिस कई एंगल से अनुसंधान में जुटी हुई है। बता दें कि उक्त स्थल पर से बड़ी संख्या में कारतूस बरामद होने के बाद इलाके में चर्चा का विषय बना हुआ है।

10 दिन पूर्व कोंच थाने की पुलिस ने ग्राम खैरा से विजय साव के घर से दो देसी रायफल व एक कट्टा के साथ 28 जिंदा कारतूस भी बरामद किया गया था। इस तरह एक ओर जहां पुलिस की सक्रियता से नक्सलियों के हथियार व कारतूस फेंक कर भाग रहे हैं, वहीं, दूसरी कोई बड़ी घटना का अंजाम देने के संभावना से भी इनकार नहीं किया जा सकता है।

बिहार में ऑनलाइन बालू की बिक्री कब से होगी? फाइनल डेट आ गई सामने; तैयारी में जुटा विभाग

पटना, एजेंसी। बिहार में अब ई-कामर्स साइट की तर्ज पर आम नागरिक आन लाइन बालू भी खरीद सकेंगे। खान एवं भू-तत्व विभाग बालू-मित्र पोर्टल के जरिये बालू की आन लाइन बिक्री योजना को अंतिम रूप देने में जुटा है। संभावना है कि 16 अक्टूबर के बाद यह सुविधा शुरू हो जाएगी।

खान एवं भू-तत्व विभाग ने करीब महीने भर पहले ही बालू मित्र पोर्टल के जरिये आन लाइन बालू बिक्री योजना स्वीकृत की थी। इसके लिए राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र (एनआइसी) का सहयोग भी लिया गया है। एनआइसी की बालू मित्र पोर्टल बना रहा है। सूत्रों की माने तो इस पोर्टल पर जिलों में बालू की उपलब्धता के साथ ही उसकी कीमतें भी दर्ज होंगी।

पोर्टल पर गुणवत्ता देखकर खरीद सकेंगे बालू

बालू की ऑनलाइन खरीद का इच्छुक कोई भी व्यक्ति इस पोर्टल पर जाकर बालू की गुणवत्ता देखकर उसकी आनलाइन बुकिंग कर सकेगा। विभाग ने बालू मित्र पोर्टल के जरिये सफेद और पीली दोनों किस्म की बालू की बिक्री का निर्णय किया है। बालू की आन लाइन बिक्री के बाद इसे डिलीवरी कराने की जिम्मेदारी भी विभाग की होगी। लेकिन, इसके लिए खरीदार को परिवहन कीमत चुकानी होगी।

250 बालू घाटों से खनन की हो रही तैयारी

दूसरी ओर खान एवं भू-तत्व विभाग 16 अक्टूबर से एक साथ करीब 250 बालू घाटों से खनन की तैयारी में है। इन बालू घाटों को पर्यावरण अनापत्ति प्रमाण पत्र प्राप्त हो चुका है। 15 जून तक प्रदेश के करीब 155 बालू घाटों से खनन हो रहा था। लेकिन निर्धारित नियमों के तहत 15 जून से मानसून की अवधि में बालू खनन पर रोक लगा दी गई थी। अब वापस नदियों से 16 अक्टूबर से खनन होना है। बालू का नदियों से खनन प्रारंभ होने पर आन लाइन बिक्री के लिए पर्याप्त मात्रा में बालू उपलब्ध हो जाएगा। इसके लिए विभाग पूरी तरह से तैयार है।

दरभंगा में चिता भूमि पर बना श्यामा माई मंदिर, दूर-दूर से दर्शन को आते भक्त

दरभंगा, एजेंसी। नवरात्र या अन्य दिनों में बहुत से मंदिरों और शक्तिपीठों के दर्शन किए होंगे, लेकिन श्मशान में चिता भूमि पर बने मंदिर एवं उसमें विराजमान मां काली के अद्भुत स्वरूप का दर्शन करना चाहते हैं तो दरभंगा के माधेश्वर मंदिर परिसर स्थित मां श्यामा मंदिर जरूर आएं।

हरे-भरे पेड़ों के बीच तालाब में नौकायन का आनंद लेने के साथ यहां माता के दिव्य और अलौकिक स्वरूप के दर्शन होंगे। श्यामा माई का मंदिर श्मशान घाट में महाराजा रामेश्वर सिंह की चिता भूमि पर बनाया गया है। मंदिर के गर्भगृह में मां काली की भव्य प्रतिमा स्थापित है। यह प्रतिमा एक ही पत्थर को तराश कर बनाई गई है।

इस मंदिर में वैदिक और तांत्रिक दोनों विधि से मां काली की पूजा की जाती है। भक्त यहां आकर सच्चे मन से जो भी मांगते हैं मां उनकी कामना पूरी करती हैं। मनोकामना पूर्ति के अलावा श्रद्धालु यहां शुभ कार्य जैसे मुंडन, उपनयन एवं मांगलिक कार्य भी करने आते हैं। वर्ष 1933 में महाराजा कामेश्वर सिंह ने श्यामा माई मंदिर की स्थापना की थी।

यहां की आरती में शामिल होने के लिए भक्त घंटों इंतजार करते हैं। ऐसा माना जाता है कि मां की आरती में जो साक्षी बनते हैं, उनकी मनोकामना पूरी होती है। शारदीय नवरात्र हो या काली पूजा अथवा नवाह यज्ञ, यहां रोजाना आठ से दस हजार की संख्या में श्रद्धालु आते हैं।

शादी के अलावा यहां हर तरह का शुभ कार्य करने के लिए दरभंगा, मधुबनी, सुपौल, सहरसा, मुजफ्फरपुर के अलावा उत्तर बिहार के अन्य जिलों व नेपाल से भक्त आते हैं। वास्तुकला की दृष्टि से भी मंदिर का भवन अनुपम है। यहां स्थापित देवी के विविध रूपों की प्रतिमा व निर्मित मंदिरों का ऐतिहासिक महत्व है।

पूरे परिसर में राज परिवार के दो दर्जन लोगों की चिता भूमि है। उनमें से दो पर महादेव और चार पर देवी के मंदिर बने हैं। एक चिता पर अर्द्धनिर्मित मंदिर है। महाराजा कामेश्वर सिंह की दूसरी पत्नी महारानी प्रिया के चिता स्थल पर एक कमरे का निर्माण कराया गया है जो आज भी बंद है।

कहा जाता है कि चिता स्थल को देख महाराजा भावुक हो जाते थे, इसलिए वहां एक कमरे का निर्माण करा उसे बंद कर दिया गया। शेष चिता भूमि पर पेड़ लगे हैं। दरभंगा आने वाले पर्यटकों की यात्रा इस मंदिर के दर्शन के बगैर अधूरी मानी जाती है।

इस परिसर में पहली चिता भूमि महाराजा माधव सिंह के पोते रुद्र सिंह की है, जो दक्षिण दिशा में है। उनके चिता स्थल पर रुद्रेश्वरीकाली मंदिर है। पूरब दिशा में महाराजा लक्ष्मीश्वर सिंह के चिता स्थल पर लक्ष्मीश्वरी तारा मंदिर है।

उत्तर दिशा में राज माता रामेश्वरी लता की चिता भूमि पर अन्नपूर्णा मंदिर है। यहां अन्नपूर्णा के साथ ही पृथ्वी व माता लक्ष्मी की प्रतिमाएं स्थापित हैं।

महाराजा लक्ष्मेश्वर सिंह की पहली पत्नी लक्ष्मेश्वरी की चिता भूमि पर महादेव मंदिर का निर्माण कराया गया।

सची हॉस्पिटल

NH-28 A, नियर टाटा मोटर्स, मोतिहारी (बिहार)

पथरी एवं मूत्र रोग समर्पित हॉस्पिटल

9102779809
9801344665

नगर निगम पूरे जिले की पहचान, इसे स्वच्छ एवं सुंदर रखने में सभी की भूमिकाः जिलाधिकारी

नगर निगम बेहतर करने के लिए प्रयासरत है, इसमें आम लोगों की भागीदारी है जरूरी- महापौर

बीएनएम। मोतिहारी

शहर के समाहरणालय स्थित डॉ. राजेंद्र प्रसाद सभा भवन में शुक्रवार को आयोजित कार्यशाला में उपस्थित सभी वार्ड पार्षद, विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधि, बैंक के प्रतिनिधि को संबोधित करते हुए जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल ने कहा कि नगर निगम पूरे जिले की पहचान है, इसे स्वच्छ और सुंदर बनाए रखने में सभी की भूमिका महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि नगर निगम के द्वारा अच्छे कार्य किया जा रहे हैं। वार्ड पार्षदों को अपने वार्ड को सबसे अच्छा बनाने की प्रतियोगिता की भावना के साथ कार्य करनी चाहिए। आप सभी वार्ड पार्षद जनता के चुने हुए प्रतिनिधि हैं और आपकी बातों को लोग सुनते हैं और उसे फॉलो भी करते हैं। डीएम ने कहा कि शहर की साफ-सफाई एक बड़ी जिम्मेदारी है। नगर क्षेत्र के अंदर सरकारी जमीन चिन्हित किया जा रहा है जिसका स्वच्छता और सौंदर्यीकरण के लिए बेहतर इस्तेमाल किया जाएगा। मोतीझील के आसपास से अतिक्रमण हटाया जाएगा और वहां नो वेंडिंग जोन चिन्हित किया जाएगा। शहर में ट्रैफिक सुधार पर कार्य चल रहा है। पुलिस प्रशासन से भी बात हुई है। हवाई अड्डा की चहारदीवारी की बात चल रही है। शहर में लाइटिंग की अच्छी व्यवस्था है। कई अन्य स्थानों को चिन्हित कर पोल लगाए गए हैं जहां लाइट लगाई जाएगी। इस अवसर पर महापौर ने कहा कि नगर निगम को स्वच्छ रखने के लिए कचरा रखने की जगह को पक्की कारण कराई जा रही है। अभी मानव बल की कुछ कमी है इसके लिए 600 और मानव बल लिया जा रहा है। निगम सभी घरों को स्वच्छ रखने के लिए प्रयासरत है, इसमें आम लोगों की सहयोग और भागीदारी जरूरी है। स्वच्छता ही सेवा 2024 अंतर्गत डॉ. राजेंद्र प्रसाद सभा भवन के सभागार में कचरा का स्त्रोत पृथक्करण विषयक कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें नगर आयुक्त सौरभ सुमन यादव ने बताया कि सूखा कचरा और गीला कचरा को अलग-अलग रखने के लिए जागरूकता अभियान चलाई जा रही है ताकि गीले कचरे का बेहतर इस्तेमाल किया जा सके। गीले कचरे का प्रोसेसिंग कर ऑर्गेनिक खाद/कंपोस्ट आदि अन्य उपयोगी वस्तु बनाई जा सकती है। उन्होंने कहा कि इससे निगम के आय में भी वृद्धि होगी। नगर आयुक्त ने कहा कि एक साथ गीला और सूखा कचरा रख देने पर उसका पृथक्करण बहुत मुश्किल हो जाता है और फिर उसका प्रोसेसिंग नहीं हो पता है। उन्होंने कहा कि ठेला के माध्यम से डोर टू डोर एवं गाड़ी के द्वारा कचरा पॉइंट से अभी कचरा उठाव किया जा रहा है जिसका और विस्तार किया जाएगा। उन्होंने कहा कि सुख और गीला कचरा अलग-अलग रखने के लिए निगम के दो से तीन वार्डों में गहन जागरूकता अभियान चलाई जाएगी और उसकी सफलता पर निगम के सभी वार्डों में इसका प्रयोग किया जाएगा। इस अवसर पर चिकित्सक, बैंकर्स एवं अन्य संगठनों से उपस्थित गणमान्य एवं वार्ड पार्षदों से परामर्श लिया गया और उसके अनुपालन का विश्वास दिलाया गया।

नगर पंचायत की मुख्य जर्जर सड़क के पुनर्मरम्मत व पुनर्निर्माण की मांग

बीएनएम। मोतिहारी

जिले के मेहसी नगर पंचायत की एकमात्र मुख्य सड़क राजकीय मध्य विद्यालय घड़ियारी चौक से लेकर नगर पंचायत कार्यालय बहादुरपुर चौक तक की जर्जर सड़क पुनर्मरम्मत एवं पुनर्निर्माण के संदर्भ में सामाजिक कार्यकर्ता अमर सहित नगर पंचायत की जनता ने बिहार सरकार के ग्रामीण कार्य विभाग के मुख्य कार्यपालक अभियंता को पत्र पत्र लिखा है। इस पत्र में मेहसी की जनता की ओर से हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए निवेदन पूर्वक आग्रह किया गया है कि विगत 5 वर्षों से रखरखाव के अभाव में ग्रामीण कार्य विभाग की यह सड़क जर्जर अवस्था में पहुंच चुकी है। लगभग 15-20 जगह पर बड़े-बड़े गड्ढे बने हुए हैं और 100 से ज्यादा जगह पर नल जल से आपूर्ति को लेकर लगाई जाने वाली पाइप के कारण इस सड़क को नगर पंचायत के कर्मियों द्वारा काटा गया। फलस्वरुप मेहसी की एकमात्र मुख्य सड़क की दशा बहुत ही जर्जर और दयनीय हो चुकी है। रखरखाव का मरम्मत का बार-बार ध्यान आकर्षण के बाद भी स्थानीय अधिकारी लोग ध्यान नहीं देते, इस कारण से यहां चलने वाले राहगीरों तीन चक्का दो चक्का चार चक्का और पैदल यात्रियों को काफी कठिनाइयों का सामना करना होता है। आपातकालीन स्थिति में तो और भी चुनौती पूर्ण यात्रा हो जाती है। लगभग एक किलोमीटर में यह स्थिति बनी हुई है। अमर सहित मेहसी की प्रभावित जनता ने निवेदन किया है कि विभागीय जांच के बाद सड़क के पुनर्निर्माण, मरम्मत, रखरखाव की दिशा में तत्काल प्रभाव से कदम उठाने की कृपा की जाएगी। पर्व त्यौहार के इस मौसम में हजारों श्रद्धालु इस मार्ग से स्थानीय स्तर पर और बाहर से भी गुजरते रहते हैं। उन्हें विभिन्न प्रकार की समस्याओं का सामना करना पड़ता है। कहा कि उम्मीद और आशा करता हूं कि पर्व त्यौहार के इस मौसम को प्रारंभ होने के पूर्व इस महत्वपूर्ण मुख्य सड़क को पुनर्निर्माण मरम्मत की दिशा में कार्रवाई करने की उदारता पूर्वक कदम उठाने की गुहार लगाई है।

महात्मा गाँधी केन्द्रीय विश्वविद्यालय में 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान कार्यक्रम का उद्घाटन

बीएनएम। मोतिहारी

शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार तथा पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार के निर्देशानुसार महात्मा गाँधी केन्द्रीय विश्वविद्यालय में 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान कार्यक्रम का उद्घाटन पौधरोपण करके किया गया। कार्यक्रम के संरक्षक महात्मा गाँधी केन्द्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो संजय श्रीवास्तव का मार्गदर्शन और सानिध्य प्राप्त हुआ। कुलपति प्रो. श्रीवास्तव शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार तथा पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार के उद्देश्यों की प्राप्ति हेतु अहर्निश प्रयत्नशील हैं। अपने उद्बोधनों में कुलपति प्रो संजय श्रीवास्तव भारत सरकार की नीतियों और उद्देश्यों की मुक्त कंठ से प्रशंसा की है। इस कार्यक्रम के आयोजक 'एक पेड़ मां के नाम ' के विश्वविद्यालय के नोडल अधिकारी डॉ बबलू पाल उपस्थित रहे। कार्यक्रम में हिंदी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ अंजनी कुमार श्रीवास्तव, डॉ गोविंद कुमार वर्मा, डॉ श्याम नंदन, डॉ विश्वजीत बर्मन, डॉ नरेंद सिंह, डॉ अम्बिकेश त्रिपाठी, डॉ राम लाल बगाड़िया आदि विभिन्न विभागों के शिक्षकगण उपस्थित होकर वृक्षारोपण कर 'एक पेड़ मां के नाम' कार्यक्रम को सफल बनाये। इसके अतिरिक्त विश्वविद्यालय के गैर शैक्षणिक कर्मचारी भी उपस्थित रहकर वृक्षारोपण कार्यक्रम में अपनी भूमिका निभाई। इस कार्यक्रम में संस्कृत, हिन्दी, अँग्रेजी आदि अनेक विभागों के स्नातकोत्तर के छात्र तथा शोधार्थियों ने बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया। इस अवसर पर उपस्थित सभी शिक्षकों तथा विद्यार्थियों ने विश्वविद्यालय के यशस्वी कुलपति प्रो संजय श्रीवास्तव सर के दूरदर्शी व कुशल नेतृत्व की सराहना की।

जनता के दरबार में 23 आवेदनकर्ताओं की सुनी गई समस्याएं

बीएनएम। मोतिहारी

शुक्रवार को नगर के समाहरणालय स्थित डॉ. राधाकृष्णन भवन सभागार में आयोजित कार्यक्रम जनता के दरबार में जिला प्रशासन द्वारा जिलेभर के विभिन्न प्रखंडों से आए 23 आवेदनकर्ताओं की समस्याओं पर सुनवाई की गई। उक्त प्राप्त शिकायतों पर संज्ञान लेते हुए अपर समाहर्ता, लोक शिकायत निवारण शैलेंद्र भारती ने कहा कि जो आवेदन प्राप्त हुए हैं उस पर संबंधित पदाधिकारी के स्तर से कार्रवाई कराते हुए शीघ्र ही समस्या का विधिसम्मत निदान सुनिश्चित किया जाएगा। स्वास्थ्य, शिक्षा, आपूर्ति, पंचायती राज विभाग, भूमि विवाद, अतिक्रमण वाद, राजस्व विभाग से संबंधित अधिकांश आवेदन प्राप्त हुए जिसके शीघ्र निष्पादन हेतु संबंधित पदाधिकारी को आवश्यक दिशा-निर्देश के साथ भेज देने का निर्देश एडीएम पीजीआरओ के द्वारा प्रभारी पदाधिकारी जिला जन शिकायत कोषांग को दिया गया।

सहायक आयुक्त ने जिला भविष्य निधि कार्यालय का किया निरीक्षण

बीएनएम। मोतिहारी

निदेशक भविष्य निधि निदेशालय बिहार पटना जयप्रकाश सिंह के निर्देश के आलोक में सहायक आयुक्त, भविष्य निधि निदेशालय प्रियंका कुमारी के द्वारा शुक्रवार को जिला भविष्य निधि कार्यालय का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान सहायक आयुक्त के द्वारा कैश बुक, गार्ड फाइल, आगत निर्गत पंजी देखी गई एवं सेवा निवृत होने वाले कर्मियों से संबंधित लंबित मामलों की समीक्षा की गई। इस दौरान जिला भविष्य निधि पदाधिकारी सीतेश कुमार एवं भविष्य निधि कार्यालय के सभी कर्मी उपस्थित थे। भविष्य निधि कार्यालय के निरीक्षण के उपरांत सहायक आयुक्त के द्वारा जिलाधिकारी पूर्वी चंपारण सौरभ जोरवाल से शिष्टाचार मुलाकात की गई एवं कार्यालय निरीक्षण के संबंध में जानकारी दी गई। सहायक आयुक्त ने जिला भविष्य निधि कार्यालय के कार्यों पर संतोष व्यक्त किया।

MADAN RAJ NURSING HOME
HOSPITAL ROAD MOTIHARI, (BIHAR)
Contact No.- 9801637890, 6200480505, 9113274254

कुख्यात ड्रग्स पैडलर पूर्व प्रमुख पति असलम गिरफ्तार

बीएनएम। मोतिहारी

जिले का कुख्यात ड्रग्स माफिया व आदापुर के पूर्व प्रमुख लाल मून नेशा के पति मो.असलम को रक्सौल के कॉलेज रोड स्थित आवास से पुलिस ने छापेमारी कर चरस, ब्राउन शुगर सहित लाखों रुपये नगद के साथ गिरफ्तार किया है। इसकी पुष्टि करते हुए एसडीपीओ धीरेंद्र कुमार ने बताया कि मो असलम ने ही अपने आवास पर गिरफ्तार गुरुवार को दारोगा कृष्ण कुमार यादव को शराब पार्टी में बुलाया था। वही मो असलम केस संख्या 11/24 को दारोगा से मैनेज करना चाह रहा था। डायरी मेंटेन करने व इस केस से असलम को बरी करने के लिए दारोगा कृष्ण कुमार यादव को शराब पिलाई जा रही थी। जाम छलकाते दारोगा जी के वायरल हुए वीडियो के बाद पूर्वी चम्पारण के एसपी के द्वारा पूछताछ में इन्होंने मो असलम के रक्सौल कालेज रोड स्तिथ घर पर शराब पीने की बात को स्वीकार किया था और इनके सूचना पर ही देर रात्रि मो असलम के रक्सौल स्थित आवास पर छापेमारी की गई थी। पांच थानों की पुलिस ने की छापेमारी करते हुए इसे गिरफ्तार किया गया है। मिली जानकारी के अनुसार ड्रग्स माफिया व डॉन के नाम से विख्यात आदापुर के पूर्व प्रमुख पति मो. असलम को उनके रक्सौल स्थित आवास पर बीती रात एकाएक पांच थानों की पुलिस टीम पहुंची। जहां मो. असलम अपने आवास पर मौजूद था। जहां से छापेमारी के दौरान मो. असलम को गिरफ्तार करते हुए

900 ग्राम चरस, 214 ग्राम ब्राउन शुगर, 1 लाख 99 हजार 250 रुपये भारतीय मुद्रा, 54 हजार रुपये नेपाली मुद्रा व 2 मोबाइल बरामद किया गया है। वही मो असलम की रक्सौल में गिरफ्तारी के बाद चल रही चर्चाओं में इसको इंटरनेशनल ड्रग्स माफिया बताया जा रहा है। वैसे मो असलम स्थानीय राजनीति में भी काफी सक्रिय रहा हैं और इनका रसूख भी एक दल में अच्छा माना जाता है। आदापुर प्रखंड की इनकी पत्नी प्रमुख रह चुकी हैं। मो असलम के संबंध में बताया जाता है कि इसके पहले भी वह दो बार जेल जा चुका है। स्मैक का इसका बड़ा धंधा है। आदापुर के सीरिसिया से इसका स्मैक का धंधा औद्योगिक पैमाने पर चलता है। जहां से भारत सहित नेपाल में भारी पैमाने पर ड्रग्स की सप्लाई की जाती है। स्थानीय पुलिस में पैसों के बल पर अपनी छाप बनाने के प्रयास में यह हमेशा लगा रहता है। फिलहाल मो असलम की गिरफ्तारी से तस्करी जगत में खौफ मचा हुआ है।वही इसकी गिरफ्तारी के बाद यह भी चर्चा जोर से चल रही है,कि असलम पूर्व में भी रामगढवा,आदापुर नकरदेई,छौड़ादानो व रक्लौल थाना में पदस्थापित पुलिस पदाधिकारियो को नाजायाज प्रतिफल प्राप्त कराकर स्मैक,चरस व अन्य नशीली पदार्थ का स्मलिंग करता था। फिलहाल यह जांच का विषय है। हालांकि हिन्दुस्थान समाचार की पड़ताल में यह उभर कर आया है,कि इन क्षेत्रो में पदस्थापित कई थानाध्यक्ष असलम से नाजायज प्रतिफल प्राप्त कर करोड़ो की संपत्ति अर्जित किये है।

नियमों को ताक पर रखकर कराया जा रहा सड़क का निर्माण, वार्ड सदस्य ने की जांच की मांग

बीएनएम। तुरकौलिया

तुरकौलिया पश्चिमी पंचायत में नियमों को ताक पर रखकर सड़क का निर्माण कराया जा रहा है। प्राक्लन के अनुसार कार्य नही कराकर मनमानी ढंग से काम कराया जा रहा है। वार्ड सदस्य कमरूल होदा द्वारा जिलाधिकारी को दिये एक आवेदन से इसका खुलासा हुआ है। डीएम को दिए आवेदन में वार्ड सदस्य ने बताया है कि मुखिया रामजन्म पासवान, जेई व पंचायत कर्मी मिलीभगत कर पोर्टल पर बिना योजना चढ़ाए काम करा रहे हैं। जो नियम के विरुद्ध है। हाल के दिनों में पंचायत से प्रखंड परिसर में ही सड़क ढ़लाई का कार्य कराया गया है। सड़क निर्माण में 8 इंच राबिश देना था। लेकिन एक इंच भी नही दिया गया है। बिना राबिश दिए ही पीसीसी पर पीसीसी करा दिया गया है। योजना संख्या मांगने पर बोला जाता है कि अभी फाइल नही खुला है। प्रखंड परिसर में सड़क निर्माण का यह हाल है तो दुसरे जगह किस तरह से सड़क बनाया जाता होगा। जबकि इसी सड़क से रोजाना बीडीओ, सीओ व अन्य पदाधिकारी गुजरते हैं। इस बात का सहज ही अनुमान लगाया जा सकता है। आवेदन में यह भी बताया गया कि पंचायत में चापाकल गड़वाया जा रहा है। यह योजना भी पोर्टल पर उपलब्ध नही है। इस योजना में घटिया किस्म के पाइप की खरीदारी की गई है। वार्ड सदस्य कमरूल होदा ने जिलाधिकारी को आवेदन देकर यह बताया है कि मुखिया को जैसे ही आवेदन देने की बात की जानकारी होगी तो वह खुद या अपने पुत्र या दुसरे किसी व्यक्ति से उसके उपर हरिजन एक्ट कर या करवा सकते हैं। क्योंकि मुखिया रामजन्म पासवान पहले भी पंचायत के वार्ड सदस्य पुत्र के उपर हरिजन एक्ट का मुकदमा कर चुके हैं। आवेदन देकर डीएम से गुहार लगाया गया है कि अपने स्तर से जांच कर कार्रवाई की जाए।

जनता की समस्याओं के प्रति गंभीरता और त्वरित कार्रवाई का निर्देश

बीएनएम।। मुजफ्फरपुर

जिलाधिकारी सुब्रत कुमार सेन ने समाहरणालय सभागार में अधिकारियों के साथ बैठक कर जनता की समस्याओं के समाधान में तेजी लाने और लंबित मामलों का शीघ्र निपटारा करने का निर्देश दिया। उन्होंने अधिकारियों को जनता की समस्याओं के प्रति गंभीर और संवेदनशील रहने का आग्रह किया और नियमानुसार त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा। जिलाधिकारी ने सभी लंबित मामलों का 15 दिनों के भीतर निष्पादन कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया। बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने बताया कि जिले में सीएम डैशबोर्ड, जनता के दरबार में मुख्यमंत्री कार्यक्रम, डीएम जनता दरबार, और अन्य माध्यमों से कुल 2100 आवेदन लंबित हैं। उन्होंने सभी अधिकारियों को अपने विभाग से संबंधित समस्याओं को शीघ्र हल करने का निर्देश दिया। अगले शुक्रवार को कार्य की प्रगति की पुनः समीक्षा की जाएगी। इस बैठक में वरीय उपसमाहर्ता सोनी कुमारी को जनशिकायत पदाधिकारी का दायित्व सौंपा गया और आईटी मैनेजर की पूरी टीम को इस कार्य में सहयोग करने का निर्देश दिया गया। बैठक से अनुपस्थित रहने और लंबित मामलों का निपटारा न करने के कारण जिला कृषि

पदाधिकारी सुधीर कुमार का वेतन स्थगित कर स्पष्टीकरण मांगा गया है। इसके अलावा, सरकारी भवनों के निर्माण, हेल्थ वेलनेस सेंटर, कल्याण विभाग और खेल विभाग के लिए उपयुक्त जमीन की मांग पर भी चर्चा की गई। सिविल सर्जन और जिला कल्याण पदाधिकारी द्वारा संबंधित विभागों के लिए भूमि की मांग की गई है। जिलाधिकारी ने सभी अंचलाधिकारियों को भूमि उपलब्ध कराने के निर्देश दिए और म्यूटेशन/परिमार्जन के मामलों की प्रगति की भी समीक्षा की। उन्होंने 10% से कम निष्पादन करने वाले अंचलाधिकारियों से स्पष्टीकरण मांगा और सभी अधिकारियों को कार्य संस्कृति में सुधार और कार्यालय की गरिमा बनाए रखने की आवश्यकता पर बल दिया। इस बैठक में नगर आयुक्त विक्रम वीरकर, अपर समाहर्ता राजस्व संजीव कुमार, सिविल सर्जन डॉ. अजय कुमार, जिला शिक्षा पदाधिकारी अजय कुमार सिंह सहित कई अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

जिलाधिकारी ने सिकंदरपुर स्थित ईवीएम वेयरहाउस का किया त्रैमासिक निरीक्षण

बीएनएम।। मुजफ्फरपुर

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी बिहार एवं प्रधान सचिव, निर्वाचन विभाग एच आर श्रीनिवास की उपस्थिति में, जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह जिलाधिकारी सुब्रत कुमार सेन और वरीय पुलिस अधीक्षक राकेश कुमार ने सिकंदरपुर स्थित ईवीएम वेयरहाउस का त्रैमासिक निरीक्षण किया। इस निरीक्षण के दौरान उन्होंने सुरक्षा मानकों की समीक्षा की, जिसमें सीसीटीवी की क्रियाशीलता, सुरक्षा बल की तैनाती और अग्निशमन यंत्र का अधिष्ठापन शामिल था। इस मौके पर नगर आयुक्त विक्रम वीरकर, उप विकास आयुक्त श्रेष्ठ अनुपम, अनुमंडल पदाधिकारी पश्चिमी, उप निर्वाचन पदाधिकारी और कई अन्य पदाधिकारी मौजूद थे। इसके साथ ही, मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधिगण भी इस निरीक्षण में उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री समग्र विकास योजना के तहत नगर आयुक्त का निरीक्षण

बीएनएम।। मुजफ्फरपुर

शुक्रवार को नगर आयुक्त विक्रम विरकर, भा.प्र.से., ने मुख्यमंत्री समग्र विकास योजना के अंतर्गत शहर की विभिन्न सड़कों और नालों का निरीक्षण किया। इस अवसर पर उप नगर आयुक्त सोनू कुमार राय, नगर प्रबंधक विष्णु प्रभाकर लाल, सहायक अभियंता अभिनव पुष्प, राकेश कुमार तथा सफाई प्रभारी कमल किशोर और अजय कुमार भी उनके साथ थे। उन्होंने वार्ड संख्या-48 और 49 के बेला रोड बैंकर्स कॉलोनी और मिठनपुर लाला में सड़क और नाला निर्माण की स्थिति की समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान पाया गया कि पूर्व में निर्मित सड़कें और नाले जर्जर अवस्था में हैं, जिससे सुगम यातायात में बाधा उत्पन्न हो रही है। पी. एण्ड टी. मेन रोड का निरीक्षण करते समय कूड़े-कचरे के ढेर और नाले के कुछ हिस्सों पर हटी हुई स्लैब देखने को मिली, जिन्हें जल्द ठीक करने के निर्देश दिए गए । नगर आयुक्त ने स्मार्ट सिटी के संवेदकों पर नाराजगी व्यक्त करते हुए सिवर का ढक्कन और क्षतिग्रस्त

सड़क के मरम्मत के लिए त्वरित कार्रवाई करने की मांग की। सिकंदरपुर क्षेत्र के निरीक्षण के दौरान सिकंदरपुर हनुमान मंदिर के पास सिवर का ढक्कन क्षतिग्रस्त पाया गया, जिससे आवागमन में कठिनाई हो रही थी। इसी क्रम में पानी के चापाकल कल का निरीक्षण करते समय भवन की जर्जर स्थिति को देखते हुए अधिकारियों को पेयजल की समस्याओं का समाधान करने तथा पंप के जर्जर भवन के जीर्णोद्धार का प्रस्ताव समर्पित करने का निर्देश दिया गया। नगर आयुक्त ने सिकंदरपुर चौक के निकट यूरिनल की व्यवस्था और श्यामा मंदिर के गेट के पास नाले पर स्लैब डालने के निर्देश भी दिए। इस निरीक्षण के माध्यम से नगर आयुक्त ने शहरी अवसंरचना में सुधार की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाने का आश्वासन दिया।

युवती के साथ सामूहिक दुष्कर्म के आरोप में दवा दुकानदार सहित तीन गिरफ्तार

बीएनएम।। गोपालगंज

बिहार के गोपालगंज जिले में झाड़फूंक से इलाज करने के बहाने एक युवती के साथ सामूहिक दुष्कर्म करने का मामला सामने में आया है।वही पुलिस ने तीनो दुष्कर्म के आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने गिरफ्तार तीनों आरोपितों के पास से झाड़ फूंक के मटका,काला धागा,लवंग सहित कई समान भी बरामद किया है।पुलिस ने यह करवाई नगर थाना के स्टेशन रोड के समीप एक निजी मेडिकल हाल से किया है। सामूहिक दुष्कर्म मामले में गिरफ्तार दिवाकर पांडेय ,अनिल पांडेय पश्चिम चंपारण के रहने वाले है,जबकि विनोद कुमार नगर थाना के विनोद मेडिकल हाल के संचालक है। एसपी अवधेश दीक्षित ने बताया कि आज सुबह डायल 112 पुलिस के पास एक युवती ने फोन कर बतलाया कि कुछलोग उसके साथ सामूहिक दुष्कर्म कर रहे है।सूचना मिलते ही डायल 112 की टीम घटनास्थल पर पहुंच कर रेस्क्यू कर युवती को बचाया।युवती से पूछताछ करने पर बताया कि उसका तबियत काफी दिनों से खराब था। झाड़ फूंक से युवती का इलाज करने के बहाने नगर थाना के स्टेशन रोड स्थित विनोद मेडिकल हाल के एक रूम में बंद कर उसके साथ तीन लोगों ने सामूहिक दुष्कर्म किया है। गिरफ्तार आरोपित दिवाकर पांडेय और अनिल पांडेय पश्चिम चंपारण के रहने वाले है जबकि एक आरोपी विनोद कुमार नगर थाना के मेडिकल हाल का संचालक है। एसपी ने बताया कि विनोद मेडिकल हाल को सील कर दिया गया है।एफएसएसीएल की टीम से जांच कराया जाएगा और युवती का मेडिकल कराकर गिरफ्तार सभी आरोपितों को जेल भेजने की तैयारी किया जा रहा है। स्प्रिड ट्रायल कर दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा दिलाया जा सके।

CENTER CODE- BR-12870035
SAKSHI COMPUTER INSTITUTE
भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त शिक्षण संस्थान
A UNIT OF BDS COMPUTER PVT. LTD.
A RIGHT PLACE FOR YOUR STUNING PERSONALITY
COME AND LEARN COMPUTER WITH US
Tally Prime
ADCA DCA CCC
COMPUTER BASIC
ADVANCE EXCEL
YADOPUR ROAD, HARSIDHI, EAST CHAMPARAN
9470050309 RAKESH KUMAR bdscomputer.in

हवाईअड्डों पर चेक इन

डिजीयात्रा ऐप का इस्तेमाल बढ़ रहा है और साथ ही फेशियल रिकग्निशन और अन्य डाटा के दुरुपयोग की चिंता भी बढ़ती जा रही है। देश के करीब दो दर्जन हवाईअड्डों पर डिजीयात्रा ऐप का इस्तेमाल शुरू हो गया है। इसकी मदद से यात्री बिना कोई दस्तावेज दिखाए आसानी से हवाईअड्डों पर चेक इन करते हैं। अब तक 55 लाख लोगों ने यह ऐप डाउनलोड किया और तीन करोड़ लोगों ने यात्रा के लिए इसका इस्तेमाल किया है। इसके इस्तेमाल को लेकर पहले भी यात्रियों की निजता से जुड़ी चिंता जताई गई थी लेकिन अब पता चला है कि सूचना व प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने खुद ही इस पर सवाल उठाए हैं। सूचना के अधिकार कानून के तहत मांगी गई जानकारी के आधार पर एक खबर आई है, जिसमें कहा गया है कि सूचना व प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने कहा है कि निजी कंपनियों द्वारा फेशियल रिकग्निशन तकनीक का दुरुपयोग हो सकता है और इससे लोगों को सुरक्षा देने के लिए अतिरिक्त उपाय करने की जरुरत है। हालांकि नागरिक विमानन मंत्रालय का कहना है कि डिजीयात्रा ऐप को यात्रियों के चेक इन के लिए डी फैक्टो गेटवे बना दिया जाए। यानी एक मंत्रालय इसके इस्तेमाल से सुरक्षा को खतरा बता रहा है तो दूसरा मंत्रालय इसे हर हवाईअड्डे पर हर यात्री के लिए अनिवार्य करने की बात कर रहा है। सवाल है कि जब इस ऐप को वैकल्पिक बनाया गया है और इसे लॉन्च करते समय कहा गया कि यह यात्रियों की मर्जी पर है कि वे इसे चुनते हैं या नहीं तो फिर ज्यादा से ज्यादा यात्रियों को इसके इस्तेमाल के लिए क्यों बाध्य किया जा रहा है? इसे अनिवार्य बनाने से पहले सरकार को इस बारे में पूरी जानकारी नागरिकों को देनी चाहिए। यह बताना चाहिए कि डिजीयात्रा ऐप एक निजी कंपनी डिजीयात्रा फाउंडेशन का है, जिसमें छह हिस्सेदार हैं। पांच हिस्सेदार दिल्ली, मुंबई, हैदराबाद, बेंगलुरू और कोच्चि हवाईअड्डे हैं, जो निजी हाथों में हैं। इन पाचों के पास 73 फीसदी हिस्सेदारी है, जो बराबर बराबर बंटी है। भारत सरकार के एयरपोर्ट ऑथोरिटी के पास 27 फीसदी हिस्सेदारी है। इस तरह से यह लगभग पूरी तरह से निजी उद्यम है, जिसके हाथ में लाखों, करोड़ों नागरिकों का बायोमैट्रिक डाटा जा रहा है। इसका इस्तेमाल करने वाले ज्यादातर यात्रियों को पता नहीं होता है कि उनका फेशियल रिकग्निशन हो रहा है। दूसरे, इसमें कहा गया है कि यात्रियों का डाटा स्टोर नहीं किया जाता है। लेकिन साथ ही प्राइवेसी की शर्तों में यह भी कहा गया है कि जरुरत पडने पर यात्रियों का डाटा सरकारी एजेंसियों के साथ साझा किया जा सकता है। सोचें, अगर डाटा स्टोर नहीं किया जाता है तो फिर साझा करने की बात कैसे कही जा रही है?

राजनीतिक रोटियां सेंकने की कोशिश कर रहे राहुल

यह कहना मुश्किल है कि राहुल की हालिया गैर-जिम्मेदाराना टिप्पणियों से उनके राजनीतिक उद्देश्य कितनी पूर्ति होगी, परंतु दो बातें स्पष्ट है। पहला— उनके बयान का इस्तेमाल देशविरोधी शक्तियां, भारत की वैश्विक छवि को धूमिल करने के लिए करेंगी। दूसरा— इससे विदेश तक सीमित खालिस्तान आंदोलन को भी बल मिलेगा, जिसका देश के भीतर बहुत कम आधार है। बीते दिनों नेता प्रतिपक्ष (लोकसभा) और कांग्रेस के शीर्ष नेता राहुल गांधी, अमेरिका में अपने विवादित वक्तव्यों के कारण चर्चा में रहे। इसमें उनका सबसे अधिक खतरनाक बयान सिखों को लेकर रहा। 10 सितंबर को वाशिंगटन में भारतीय प्रवासियों के समूह से मुखातिब होते हुए राहुल कहा, "लड़ाई इस बात की है कि एक सिख होने के नाते क्या उन्हें भारत में पगड़ी।।। कड़ा पहनने की अनुमति मिलेगी? सिख होने के नाते वे भारत में गुरुद्वारा जा सकते है? यह लड़ाई सिर्फ इनके लिए ही नहीं, बल्कि सभी धर्मों के लिए है।" यह कोई पहली बार नहीं है। इससे पहले मार्च 2023 में अपनी यूनाइटेड किंगडम यात्रा के दौरान भी राहुल ने इसी प्रकार की बातें कही थी। राहुल की इन टिप्पणियों का वास्तविकता से कोई संबंध नहीं है। उन्होंने अपने राजनीतिक एजेंडे को आगे बढ़ाने के लिए बेबुनियाद बयान दिया है। उनका उद्देश्य वैश्विक स्तर पर भारत का नेतृत्व कर रहे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की छवि को खराब करना और देशविरोधी शक्तियों से अपने लिए समर्थन जुटाना है। क्या स्वतंत्र भारत में सिखों को किसी प्रकार का मजहबी भेदभाव झेलना पड़ता है? देश की कुल आबादी में सिख लगभग दो प्रतिशत हैं और उन्हें देश के राजनीतिक और सामाजिक क्षेत्रों में कई प्रमुख स्थान प्राप्त हैं। डॉ। मनमोहन सिंह के रूप में दो बार लगातार सिख प्रधानमंत्री (2004-2014) रहे हैं। वर्ष 1982-87 तक (दिवंगत) ज्ञानी जैल सिंह भी देश के राष्ट्रपति रहे। असंख्य सिखों ने देश की विभिन्न अदालतों के साथ चुनाव आयोग रूप संवैधानिक पद और सेना, व्यापार, प्रशासनिक और खेल आदि विभिन्न क्षेत्रों में भी महत्वपूर्ण भूमिकाएं निभाई हैं और ऐसा आज भी है। देश को उनपर गर्व करता है। पंजाब से कहीं गुना अधिक गुरुद्वारे शेष भारत में है, जिनके प्रति हिंदुओं की भी स्वाभाविक श्रद्धा है।

विश्व के शक्तिशाली देशों की सूची में अब भारत तीसरे स्थान पर

प्रहलाद सबनानी

आस्ट्रेलिया के एक संस्थान, लोवी इन्स्टिटयूट थिंक टैंक ने हाल ही में एशिया में शक्तिशाली देशों की एक सूची जारी की है। "एशिया पावर इंडेक्स 2024" नामक इस सूची में भारत को एशिया में तीसरा सबसे बड़ा शक्तिशाली देश बताया गया है। वर्ष 2024 के इस इंडेक्स में भारत ने जापान को पीछे छोड़ा है। इस इंडेक्स में अब केवल अमेरिका एवं चीन ही भारत से आगे है। रूस तो पहले ही इस इंडेक्स में भारत से पीछे हो चुका है। इस प्रकार अब भारत की शक्ति का आभास वैश्विक स्तर पर भी महसूस किया जाने लगा है। एशिया पावर इंडेक्स 2024 के प्रतिवेदन में बताया गया है कि वर्ष 2023 के इंडेक्स में भारत को 36.3 अंक प्राप्त हुए थे जो वर्ष 2024 के इंडेक्स में 2.8 अंक से बढ़कर 39.1 अंकों पर पहुंच गए हैं एवं भारत इस इंडेक्स में चौथे स्थान से तीसरे स्थान पर आ गया है। एशिया पावर इंडेक्स 2024 को विकसित करने के लिए कुल 27 देशों और क्षेत्रों से प्राप्त आंकड़ों का आंकलन एवं सूक्षम विश्लेषण किया गया है। एशिया में जो नए शक्ति समीकरण बन रहे हैं उनका ध्यान भी इस इंडेक्स में रखा गया है तथा विभिन्न मापदंडों पर आधारित पिछले 6 वर्षों के आकड़ों का विश्लेषण कर यह इंडेक्स बनाया गया है। आर्थिक क्षमता, सैन्य (मिलिटरी) क्षमता, अर्थव्यवस्था में लचीलापन, भविष्य में संसाधनों की उपलब्धता, कूटनीतिक, राजनयिक एवं आर्थिक सम्बंध एवं सांस्कृतिक प्रभाव जैसे मापदंडो पर उक्त 27 देशों एवं क्षेत्रों का आंकलन कर विभिन्न देशों को इस इंडेक्स में स्थान प्रदान किया गया है। उक्त इंडेक्स में अमेरिका, 81.7 अंकों के साथ प्रथम स्थान पर है। चीन 72.7 अंकों के साथ द्वितीय स्थान पर है। भारत ने इस इंडेक्स में 39.1 अंक प्राप्त कर तृतीय स्थान प्राप्त किया है। जापान को 38.9 अंक, आस्ट्रेलिया को 31.9 अंक एवं रूस को 31.1 अंक प्राप्त हुए हैं एवं इन देशों का क्रमशः चतुर्थ, पांचवा एवं छठवां स्थान रहा है। इस इंडेक्स में प्रथम 5 स्थानों में से 4 स्थानों पर "क्वाड" के सदस्य देश हैं - अमेरिका, भारत, जापान एवं आस्ट्रेलिया। एशिया में अमेरिका की लगातार बढ़ती मजबूत ताकत के चलते उसे इस इंडेक्स में प्रथम स्थान प्राप्त हुआ है। जबकि, चीन की मजबूत मिलिटरी ताकत के चलते उसे इस इंडेक्स में द्वितीय स्थान प्राप्त हुआ है। जापान के इस इंडेक्स में तीसरे से चौथे स्थान पर आने के कारणों में मुख्य कारण उसकी आर्थिक स्थिति में लगातार आ रही गिरावट है। भारत ने चौथे स्थान से तीसरे स्थान पर छलांग लगाई है। आर्थिक क्षमता एवं भविष्य में संसाधनों की उपलब्धता के क्षेत्र में भारत को तीसरा स्थान प्राप्त हुआ है। साथ ही, सैन्य क्षमता, कूटनीतिक, राजनयिक एवं आर्थिक सम्बंध के क्षेत्र एवं सांस्कृतिक प्रभाव के क्षेत्र में भारत को चौथा स्थान प्राप्त हुआ है। अब केवल अमेरिका और चीन ही भारत से आगे हैं एवं जापान, आस्ट्रेलिया एवं रूस भारत से पीछे हो गए हैं। जबकि, कुछ वर्ष पूर्व तक विश्व की महान

शक्तियों में भारत का कहीं भी स्थान नजर नहीं आता था। केवल अमेरिका, रूस, चीन, जापान, ब्रिटेन, जर्मनी, फ्रान्स आदि देशों को ही विश्व में महाशक्ति के रूप में गिना जाता था। अब इस सूची में भारत तीसरे स्थान पर पहुंच गया है। उक्त इंडेक्स तैयार करते समय आस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड आदि अन्य शक्तिशाली देशों का भी आकलन किया गया है। साथ ही, विश्व में तेजी से बदल रहे शक्ति के नए समीकरणों का भी व्यापक आंकलन किया गया है। इस आकलन के अनुसार अमेरिका अभी भी एशिया में सबसे बड़ी आर्थिक ताकत बना हुआ है। चीन तेजी से आगे बढ़ कर दूसरे स्थान पर आया है। तेजी से बढ़ती सेना एवं आर्थिक तरक्की चीन की मुख्य ताकत है। उक्त प्रतिवेदन में यह तथ्य भी बताया गया है कि उभरते हुए भारत से अपेक्षाओं एवं वास्तविकताओं में अंतर दिखाई दे रहा है। इस प्रतिवेदन के अनुसार, भारत के पास अपने पूर्वी देशों को प्रभावित करने की सीमित क्षमता है। परंतु, वास्तविकता इसके ठीक विपरीत है। भारत अपने पड़ोसी देशों नेपाल, भूटान, श्रीलंका, बंगलादेश, म्यांमार एवं अफगानिस्तान आदि की विपरीत परिस्थितियों के बीच भारी मदद करता रहा है। आसियान के सदस्य देशों की भी भारत समय समय पर मदद करता रहा है एवं इन देशों का भारत पर अपार विश्वास रहा है। कोरोना के खंडकाल एवं श्रीलंका, म्यांमार तथा अफगानिस्तान में आए सामाजिक संघर्ष के बीच भारत ने इन देशों की मानवीय आधार पर भरपूर आर्थिक सहायता की थी एवं इन्हें अमेरिकी डॉलर में लाइन आफ क्रेडिट की सुविधा भी प्रदान की थी ताकि इनके विदेशी व्यापार को विपरीत रूप से प्रभावित होने से बचाया जा सके।

उक्त प्रतिवेदन के अनुसार भारत के पास भारी मात्रा में संसाधन मौजूद हैं एवं जिसके बलबूते पर आगे आने वाले समय में भारत के आर्थिक विकास को और अधिक गति मिलने की अपार सम्भावनाएं मौजूद हैं। साथ ही, भारत अपने पड़ोसी देशों की आर्थिक स्थिति सुधारने की भी क्षमता रखता है। भारत ने हाल ही के वर्षों में उल्लेखनीय आर्थिक सुधार कार्यक्रम लागू किए हैं। जिसके चलते लगातार तेज हो रहे आर्थिक विकास के बीच सकल घरेलू उत्पाद की स्थिति और बेहतर हो रही है तथा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत की मान्यता बढ़ रही है। साथ ही, बहुपक्षीय मंचों पर भी भारत की सक्रिय भागीदारी बढ़ती जा रही है। भारत ने पिछले कुछ वर्षों में एशिया के कई देशों के साथ अपने सम्बंधों को मजबूत किया है।

अब तो अफ्रीकी देशों का भी भारत पर विश्वास बढ़ता जा रहा है एवं भारत में ग्लोबल साउथ का नेतृत्व करने की अपार सम्भावनाएं मौजूद हैं। भारत में हाल ही में अपनी कूटनीतिक एवं राजनयिक क्षमता में भी भरपूर सुधार किया है एवं इसके बल पर वैश्विक स्तर पर न केवल विकसित देशों बल्कि विकासशील देशों को भी प्रभावित करने में सफल रहा है। यूक्रेन एवं रूस युद्ध के समय केवल भारत ही दोनों देशों के साथ चर्चा कर पाता है एवं युद्ध को समाप्त करने का आग्रह दोनों देशों को कर पाता है। इसी प्रकार, इजराईल एवं हमास युद्ध के समय भी भारत दोनों देशों के साथ युद्ध समाप्त करने की चर्चा करने में अपने आप को सहज एवं सक्षम पाता है। आपस में युद्ध करने वाले दोनों देश भारत की सलाह को गम्भीरता से सुनते नजर आते हैं। भारत ने कभी भी विभिन्न देशों के आंतरिक स्थितियों पर अपनी विपरीत राय व्यक्त नहीं की है और न ही कभी उनके आंतरिक मामलों में कभी हस्तक्षेप किया है। इस दृष्टि से वैश्विक पटल पर भारत की यह विशिष्ट पहचान एवं स्थिति है। दक्षिण एशिया के देशों में चीन अपना प्रभाव बढ़ाने का प्रयास कर रहा है इसलिए भारत का पूरा ध्यान इस क्षेत्र में चीन के बढ़ते प्रभाव को कम कर अपने प्रभाव को बढ़ाना है। इसी मुख्य कारण से शायद भारत दक्षिण एशिया के देशों पर अधिक ध्यान देता दिखाई दे रहा है। जिसका आशय उक्त प्रतिवेदन में यह लिया गया है कि विश्व के अन्य देशों को सहायता करने की भारत की क्षमता तो अधिक है परंतु अभी उसका उपयोग भारत नहीं कर पा रहा है। हिंद महासागर पर भारत का ध्यान अधिक है और क्वाड के सदस्य देश मिलकर भारत की इस दृष्टि से सहायता भी कर रहे हैं। दक्षिण एशियाई देशों के अलावा विश्व के अन्य देशों की मदद करने के संदर्भ में भारत ने हालांकि अभी हाल ही के समय में बढ़त तो बनाई है परंतु अभी और अधिक प्रयास करने की आवश्यकता है। भारत में आगे बढ़ने की अपार सम्भावनाएं मौजूद हैं। उक्त प्रतिवेदन में भारत को एशिया को तीसरा सबसे बड़ा ताकतवर देश बताया गया है परंतु वस्तुतः भारत अब एशिया का ही नहीं बल्कि विश्व का तीसरा सबसे बड़ा ताकतवर देश बन गया है क्योंकि इस सूची में एशिया के बाहर से अमेरिका को भी एशिया में पहिले स्थान पर बताया गया है। एक अन्य अमेरिकी थिंक टैंक का आकलन है कि भारत यदि इसी रफ्तार से आगे बढ़ता रहा तो इस शताब्दी के अंत तक भारत, चीन एवं अमेरिका को भी पीछे छोड़कर विश्व का सबसे अधिक शक्तिशाली देश बन जाएगा।

निष्ठा का प्रमाण देना भारतीय राजनीति की प्रमुख प्रवृत्ति

अजीत द्विवेदी

भारत में स्कूल और कॉलेजों की पढ़ाई में छात्रों को कई विषयों के महत्व पर निबंध लिखना सिखाया जाता है। इसमें हर तरह के तर्क और तथ्य से निबंध के विषय को न्यायसंगत ठहराया जाता है। इसी तरह से 'भारतीय राजनीति में निष्ठा का महत्व भी एक विषय हो सकता है। हालांकि इसके लिए तर्क खोजने कहीं दर्शनशास्त्र या इतिहास की किताबों में जाने की जरुरत नहीं होती है। इसे प्रमाणित करने वाले अनगिनत तर्क और तथ्य रोजमर्रा की राजनीति में दिख जाएंगे। सबसे ताजा मामला दिल्ली की नई मुख्यमंत्री आतिशी का है। वे दिल्ली यूनिवर्सिटी के सबसे प्रतिष्ठित सेंट स्टीफंस कॉलेज से पढ़ी हैं। वे रोड्स स्कॉलर रही हैं और इस स्कॉलरशिप के तहत उन्होंने दुनिया की सबसे प्रतिष्ठित शैक्षिक संस्था ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी से स्नात्तकोत्तर की पढ़ाई की है। लेकिन वे मुख्यमंत्री बनीं तो उन्होंने कहा कि 'दिल्ली का एक ही मुख्यमंत्री है अरविंद केजरीवाल। उन्होंने यह भी कहा कि उनको बधाई नहीं दी जाए क्योंकि यह दुख की घड़ी है। आतिशी ने अपने कार्यकाल का लक्ष्य तय किया कि अगले चुनाव में अरविंद केजरीवाल को फिर से दिल्ली का मुख्यमंत्री बनाना है। इतना ही नहीं, जब वे बतौर मुख्यमंत्री कामकाज संभालने गईं तो उस कुर्सी पर नहीं बैठीं, जिस पर मुख्यमंत्री रहते उनकी पार्टी के नेता अरविंद केजरीवाल बैठते थे। वे उस 'सिंहासन के बगल में दूसरी कुर्सी लगा कर बैठीं। पता नहीं किसी ने उनको सुझाव नहीं दिया अन्यथा वे उस 'सिंहासन पर 'खड़ाऊं रख कर नीचे भी बैठ सकती थीं। फिर भी उन्होंने खड़ाऊं के प्रतीक का इस्तेमाल किया और कहा कि वे भरत की तरह छाया राज ही करेंगी। सोचें, क्या भारत में अपनाई गई लोकतांत्रिक शासन व्यवस्था में ऐसे किसी तमाशे की इजाजत हो सकती है? याद करें कैसे एक समय शिव सेना के सुप्रीमो बाल ठाकरे ने कह दिया था कि वे रिमोट से सरकार चलाते हैं तो देश में कितना बवाल मच गया था। उनके बयान को लेकर खूब बहस हुई थी और कहा गया था कि यह दुख की बात है कि एक संविधानेत्तर शक्ति का निर्माण हो गया है, जो राज्य की लोकतांत्रिक सरकार को रिमोट से चलाती है। लेकिन अब तो मुख्यमंत्री की कुर्सी पर बैठ रहा व्यक्ति ही खुद को मुख्यमंत्री नहीं मान रहा है और कह रहा है कि मुख्यमंत्री तो केजरीवाल ही हैं। ऐसे व्यक्ति से क्या यह उम्मीद की जा सकती है कि वह मुख्यमंत्री के तौर पर अपनी जिम्मेदारियों का ईमानदारी से निर्वहन कर पाएगा? असल में यह भारतीय राजनीति की सबसे प्रमुख प्रवृत्ति हो गई है, जिसमें पार्टी के सर्वोच्च नेता के प्रति निष्ठा का फूहड़ सार्वजनिक प्रदर्शन सबसे जरूरी होता है। तभी आतिशी के लिए केजरीवाल के प्रति अपनी निष्ठा से ज्यादा उस निष्ठा का प्रमाण देना जरूरी है। उनको पता है कि वे विधायक दल के विश्वास की वजह से नहीं, बल्कि केजरीवाल की कृपा से मुख्यमंत्री बनी हैं। हालांकि, हर मुख्यमंत्री या मंत्री पार्टी के आलाकमान की कृपा से ही बनता है और वह इस बात को मानता भी है लेकिन अब इस मानने का अधिक से अधिक फूहड़ तरीके से प्रदर्शन जरूरी हो गया है। हो सकता है कि हाल के दिनों में घटित हुए कुछ राजनीतिक घटनाक्रम की वजह से ऐसा करना ज्यादा जरूरी हो गया हो। इस साल जनवरी के अंत में झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन जेल गए तो उन्होंने अपने और अपने पिता के भरोसेमंद साथी चम्पई सोरेन को मुख्यमंत्री बनाया। लेकिन चम्पई सोरेन थोड़े समय के बाद अपने को उस गद्दी का स्वाभाविक दावेदार मानने लगे। तभी उनकी निष्ठा संदिग्ध हो गए और जेल से बाहर निकलने के बाद हेमंत सोरेन ने उनको मुख्यमंत्री पद से हटा दिया। इसके बाद वे बागी हो गए और भाजपा में चले गए। इससे पहले

बिहार में नीतीश कुमार ने 2014 के लोकसभा चुनाव में पार्टी के हारने के बाद अपने भरोसेमंद जीतन राम मांझी को मुख्यमंत्री बनाया था। लेकिन वे भी स्वतंत्र राजनीति करने लगे, जिसकी वजह से नीतीश को नौ महीने में ही उनको हटाना पड़ा। हटने के बाद वे भी बागी हो गए और अलग पार्टी बना ली। इन दो उदाहरणों के बाद विशुद्ध रूप से आलाकमान की कृपा से मुख्यमंत्री या मंत्री बनने वालों को लिए जरूरी हो गया कि वे जितने खुले तरीके से अपनी निष्ठा का प्रदर्शन कर सकते हैं उतने खुले तरीके से करें। पहले भी निष्ठा का प्रदर्शन होता था लेकिन आमतौर पर सावधानी और सूक्ष्मता के साथ इसका प्रदर्शन होता था। डॉक्टर मनमोहन सिंह इसकी मिसाल माने जा सकते हैं। इसके बरक्स जिसने भी 'इंदिरा इज इंडिया और इंडिया इज इंदिरा के अंदाज में निष्ठा का प्रदर्शन किया उसकी थू थू दशकों बाद तक चलती रहती है। अभी से पहले लंबे समय तक भारतीय राजनीति में निष्ठा और चापलूसी के बीच बारीक सा फर्क बना रहा था। इसका कारण यह था कि मुख्यमंत्री या मंत्री बनने वाले नेता अपने दम पर भी नेता होते थे और उनका खुद का भी राजनीतिक वजूद होता था। एक समान कद और लोकप्रियता वाले कई नेताओं में से किसी एक को मुख्यमंत्री या मंत्री पद के लिए चुना जाता था। नेताओं के बीच पद के लिए स्वस्थ प्रतिस्पर्धा चलती थी।लेकिन अब नेताओं की योग्यता व क्षमता की जगह विशुद्ध रूप से निष्ठा को प्राथमिकता दी जाने लगी है। ऐसे आधारहीन नेताओं को उच्च पदों पर बैठाया जाने लगा, जिनकी एकमात्र योग्यता पार्टी के शीर्ष नेताओं के प्रति निष्ठा होती है और उस निष्ठा का फूहड़ प्रदर्शन करने में भी जिनको कोई हिचक नहीं होती है। हाल के दिनों में अलग अलग राज्यों में नियुक्त हुए अनेक मुख्यमंत्रियों के चेहरे से यह प्रवृत्ति परिलक्षित होती है। बहरहाल, आतिशी ने अपने बयानों और अपने आचरण से यह सवाल खड़ा किया है कि क्या भारत का लोकतंत्र अब भी उसी कालखंड में है, जब सिंहासन पर खड़ाऊं रख कर राज किया जाता था? क्या लोकतंत्र में खड़ाऊं राज की मंजूरी दी जा सकती है? लोकतंत्र में मुख्यमंत्री जनता का चुना हुआ प्रतिनिधि होता है। वह विधायकों के विश्वास से मुख्यमंत्री बनता है और उसकी प्रतिबद्धता जनता के प्रति होती है। आतिशी ने इस बुनियादी सिद्धांत का उल्लंघन किया है। अगर वे ऐसा नहीं भी करतीं तो केजरीवाल के नेतृत्व की सर्वोच्चता पर कोई सवाल नहीं खड़ा हो रहा था। और वे अपनी निष्ठा अपने आचरण से प्रदर्शित कर सकती थीं। आतिशी ने अपने आचरण से जितना हैरान और निराश किया उतना ही हैरान और निराश केजरीवाल ने भी किया, जिन्होंने यह तमाशा न सिर्फ होने दिया, बल्कि इस तमाशे का आनंद लिया।

मेष राशिः आज आपका दिन बढिया रहने वाला है। आज कुछ नया करने का दिन है। आप किसी काम के बारे में नये सिरे से सोच सकते हैं। आज आपका कोई सपना साकार होने वाला है। सिर्फ उसे हासिल करने के लिए आत्मविश्वास और मेहनत की जरूरत है। विद्यार्थियों को प्रतियोगिता संबंधी परीक्षा में बेहतर परिणाम मिलेंगे।

वृष राशिःआज आपका दिन पहले से बहुत अच्छा रहेगा। किसी जरुरी काम या मीटिंग की वजह से आपको ऑउट ऑफ स्टेशन या फिर विदेश यात्रा पर भी जाना पड़ सकता है। आज अपनी बोलचाल का लहजा नर्म रखें। गलत शब्दों के प्रयोग से संबंध खराब हो सकते हैं। किसी प्रकार की दुविधा की स्थिति में अनुभवी व्यक्ति की सलाह आपके लिए उचित रहेगी। आपको काम में ज्यादा तरक्की मिलेगी।

मिथुन राशिःआज आपका दिन अच्छा रहेगा । जो लोग लंबे समय से नौकरी की तलाश में हैं, उनकी तलाश आज पूरी हो सकती है। आज अपने व्यावसायिक संपर्कों को और मजबूत करें। आपको अच्छे ऑर्डर और नए अनुबंध मिल सकते हैं। आपकी मेहनत से काम समय पर पूरे हो जाएंगे और साथ ही कर्मचारियों का भी काम पर पूरा समर्पण रहेगा। नौकरी कर रहे लोगों को बदलाव संबंधी मौके मिल सकते हैं।

कर्क राशिःआज आपका दिन मिली-जुली प्रतिक्रिया देने वाला रहेगा। शुरुआत में आपको लगेगा कि आपके काम पूरे हो रहे हैं, लेकिन शाम होते-होते किसी काम में रुकावट भी आ सकती है। आज का दिन परिवारजनों के साथ बहुत ही सुकून भरा बीतेगा। आपकी सकारात्मक और संतुलित सोच आपको योजनाबद्ध तरीके से कार्य संपन्न करने में मदद करेगी। आज सामाजिक गतिविधियों में भी आपका उचित योगदान बना रहेगा 7 आज अपरिचित लोगों से मेल मुलाकात करते समय अपनी सीक्रेट बातें शेयर ना करें।

सिंह राशिःआज आपका दिन ठीक-ठाक रहेगा। जो छात्र बारहवी के बाद कॉलेज में एडमिशन लेने की सोच रहे हैं उनके लिये आज का दिन अच्छा है। आज आपका कोई उलझा हुआ काम बन सकता है, इसलिए पूरा ध्यान उस पर केंद्रित रखें। आज का दिन अपने सपने और महत्वाकांक्षाओं को पूरा करने के लिए बहुत ही अनुकूल है। दोस्तों के साथ कोई पिकनिक अथवा गेट-टुगेदर संबंधी प्रोग्राम बनाएंगे।

कन्या राशिःआज आपका दिन बहुत ही अच्छा रहने वाला है। आप आपके कार्य जरुर सफल रहेंगे। कन्या के लिये आपको सुयोग्य वर मिल सकता है। अनुभवी लोगों का सानिध्य करने का मौका मिलेगा जिससे दिन बहुत ही बढिया रहेगा । आप कुछ नया करने की सोचेंगे। नई ऊर्जा का प्रभाव अपने अंदर महसूस करेंगे। फाइनेंस संबंधी महत्वपूर्ण निर्णय लेने के लिए आज का दिन अनुकूल है। दाम्पत्य संबंधों में मधुरता आयेगी।

तुला राशिःआज आपका दिन सामान्य रहेगा। किसी बड़े व्यक्ति से आपकी मुलाकात हो सकती है। आने वाले समय में वह आपके लिये बहुत ही उपयोगी साबित होगा। आज ध्यान रखें कि किसी भी निर्णय को लेने में बहुत अधिक समय लगाने से कई उचित मौके हाथ से निकल भी सकते हैं। दूसरों की सलाह पर अमल करते समय उसके सभी पहलुओं पर सोच-विचार भी अवश्य कर लें।

वृश्चिक राशिःआज आपका दिन थोड़ा अच्छा रहेगा। आपको मन मुताबिक फल मिलेंगे। अगर आप अपने बिजनेस को किसी दूसरी जगह पर शिफ्ट करना चाह रहे हैं, तो एक बार जगह अच्छे से देख लें। किसी के साथ पार्टनरशिप के लिये दिन अच्छा रहेगा। ऑफिस में किसी काम के लिये आप खुद से जिम्मेदारी ले सकते हैं।

धनु राशिःआज आपका दिन बहुत ही बढिया रहने वाला है। आज कार्यस्थल में आपकी निगरानी बहुत जरूरी है। थोड़ी सी लापरवाही से महत्वपूर्ण ऑर्डर हाथ से निकल भी सकते हैं। बेहतर होगा अपनी नीतियों में कुछ बदलाव लाएं। सहयोगियों तथा कर्मचारियों की गतिविधियों को नजरअंदाज न करें।

मकर राशिःआज आपका दिन सामान्य रहने वाला है।आज आपकी कोई समस्या हल होने वाली है। सकारात्मक नजरिया रखने से भी परिस्थितियां अपने आप ही सामान्य हो जाएंगी। आपकी संतान का ध्यान भी अपनी पढ़ाई की तरफ लगा रहेगा। तथा किसी विषय को लेकर चल रही समस्या भी दूर होगी।

कुंभ राशिःआज आपका दिन अच्छा रहेगा। आज व्यवसायिक मामलों में बहुत ही धैर्य और संयम रखने की जरूरत है। मीडिया तथा मार्केटिंग संबंधी व्यवसाय में उचित उपलब्धियां बन रही हैं। हालांकि अपनी मेहनत के अनुरूप उचित परिणाम हासिल नहीं होंगे। किसी की मदद से कोई बड़ा ऑर्डर मिल सकता है। परिवार में सौहार्दपूर्ण माहौल बना रहेगा।

मीन राशिःआज आपका दिन अच्छा बितेगा। आज कार्यस्थल पर बिजनेस में बहुत व्यस्तता और मेहनत रहेगी। बहुत अधिक सुधार की संभावना नहीं है। बिजनेस बहुत बड़ी डील होने की संभावना है। पब्लिक डीलिंग में भी फायदेमंद स्थितियां रहेंगी। आज परिवार जनों के बीच उचित सामंजस्य रहेगा।

शब्द सामर्थ्य -191

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं :

1. पानी, नीर, अंबु 2. आना-जाना, आवागमन 5. बहुत, बढ़िया 6. दूर रहने वाला (घटना) जो वर्तमान में न घट सके 8. अबोध, नासमझ, अनाड़ी 10. सब्जी, शाक 11. निशान, उद्देश्य, अनुमान योग्य वस्तु 12. नाखून 13. द्रव पदार्थ 15. सूनसान, जनविहीन स्थान 16. चटकीला, चमकीला, चटपटा, गौरैया 18. भगवान, खुदा 19. इन दिनों, वर्तमान दिनों में 20. अग्नि, पावक 21. अन्नकण, अनाज का टुकड़ा 22. टालमटोल, बहाने बाजी 24. भैया की पत्नी 25. पांच से छोटी एक विषम संख्या 26. हत्या, कत्ल.

ऊपर से नीचे

1. दुनिया, संसार, ठोस रूप में परिवर्तित करना 2. चमक, पानी 3. बाजीगर, जादू का खेल दिखाने वाला 4. एक पंजाबी प्रेमगीत, रांझा की प्रेमिका 5. मार-काट, खून-कत्ल 7. भूमि, जमीन, भू-भाग 9. बहुत बड़ा दानी, 10. संगीत के सुरों की संख्या 14. लचीला, लोचयुक्त 17. खिसकना, अपने स्थान से हटना, विचलित होना 19. प्रवेश करना, पधारना, आना 20. धूप-दीप से पूजा 22. इसी समय 23. गुस्सा, कहर.

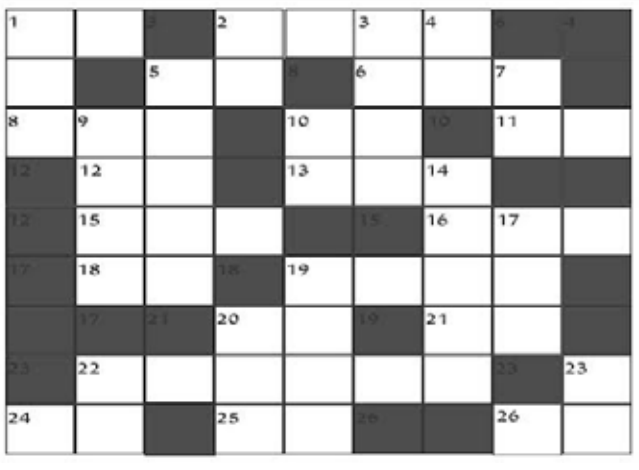

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 190 का हल

स्वा	द		सा	म	ना		कै	दी
व		ख	ल	ना	य	क		वा
लं	प	ट		ना	क	क	ट	ना
बी		प				ड़ी		प
	अ	ट	प	टा			शा	न
स	ह		यो			र	ति	
ह	म		द	र	ब	द	र	
म	क	र		सी	ल			
त		क्षा		द	वा	खा	ना	

सूडोकु नवताल- 7202

सरल

	9				6			
4	7				8	3		9
		8	7	3		1	2	
	8	9		5	1		7	6
5	1		8	7		4	9	
	2	4		6	5	7		
7		1	3				5	8
			1				4	

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7201 का हल

1	9	3	7	5	4	2	6	8
8	4	2	1	6	3	9	7	5
5	7	6	8	2	9	3	1	4
4	1	5	6	3	2	8	9	7
7	2	9	4	8	1	6	5	3
3	6	8	5	9	7	1	4	2
2	5	1	9	4	8	7	3	6
9	8	4	3	7	6	5	2	1
6	3	7	2	1	5	4	8	9

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

गणित कैसे सीखें

गणित की चिंता एक वास्तविकता... तीन तरीके जिससे आप कर सकते हैं बच्चों की मदद

विद्यार्थियों में गणित की चिंता का होना एक वास्तविकता है, लेकिन तीन तरीके अपनाकर हम बच्चों की मदद कर सकते हैं। गणित की चिंता से आशय तनाव और परेशानी की खास भावना से है जो किसी व्यक्ति की गणितीय समस्याओं को हल करने की उसकी क्षमता में बाधा डालती है। शोधकर्ता गणित की चिंता को सामान्य चिंता, या परीक्षा की चिंता से अलग मानते हैं, हालांकि इनमें कुछ बातें समान होती हैं। देशभर में 10 लाख से ज्यादा युवा ऑस्ट्रेलियाई 15 मार्च से एनएपीएलएएन संख्यात्मक परीक्षा में शामिल होंगे। अधिकांश छात्रों के लिए यह स्कूल की गतिविधियों का एक नियमित हिस्सा होगा (यद्यपि दोपहर भोजन के अवकाश में इधर-उधर भागने के मुकाबले कम मजा मिलेगा)। लेकिन कई छात्रों के लिए गणित की परीक्षा देना अपने आप में ही भयावह अनुभव होता है। ये छात्र गणित को लेकर चिंता से पीड़ित हो सकते हैं। हम गणित की पढ़ाई के शिक्षाविद हैं। यहां बताया गया है कि अगर आपका बच्चा भी गणित को लेकर चिंता का सामना कर रहा है तो उसकी मदद कैसे करें।

गणित को लेकर चिंता क्या है?

गणित की चिंता तनाव और परेशानी की भावना है जो किसी व्यक्ति की गणितीय समस्याओं को हल करने की क्षमता में बाधा डालती है। गणित को लेकर चिंता आमतौर पर इस विषय के साथ खराब अनुभव के परिणामस्वरूप विकसित होती है, जो आपके गणित की क्षमता के बारे में नकारात्मक विचारों की ओर ले जाती है। ये विचार गणित से बचने की तरफ ले जा सकते है और अगर परीक्षा का सामना करना ही पड़े तो असहाय होने की भावना महसूस होती है। गणित को लेकर चिंता कई युवा लोगों और वयस्कों के लिए एक आम समस्या है यहां तक कि पांच वर्ष से कम उम्र के बच्चों तक में देखी जा सकती है।

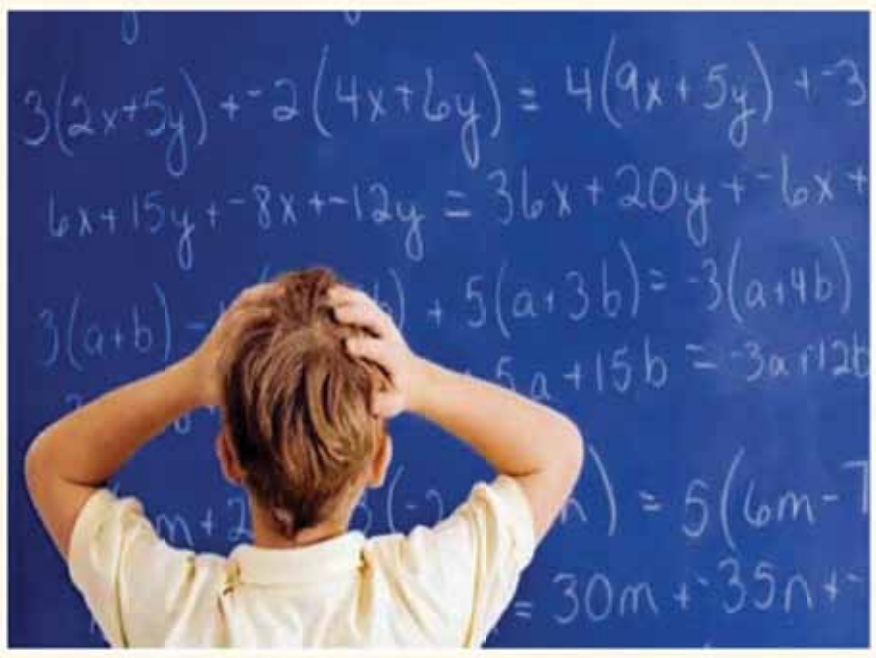

स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी के गणित शिक्षा के प्रोफेसर जो बोलर के अनुसार, 2012 तक, 50 प्रतिशत वयस्कों में गणित को लेकर चिंता थी। विक्टोरियाई शिक्षा विभाग का मानना है कि दरें कम हैं तथा छह से 17 प्रतिशत के बीच है। हालांकि, अकादमिक अध्ययन में औसत दर लगभग 20 प्रतिशत है। इसका मतलब है कि ऐसे हजारों बच्चे हैं जो आगामी एनएपीएलएएन संख्यात्मक परीक्षा से डर रहे होंगे। ऐसे में सवाल यह है कि माता-पिता ऐसा क्या कर सकते हैं कि उनके चिंतित बच्चे एनएपीएलएएन संख्यात्मक परीक्षा और गणित की अन्य परीक्षाओं में बेहतर करें? ऐसी तीन व्यावहारिक चीजें हैं जिनपर आप तत्काल और भविष्य में भी अमल कर सकते हैं:

विश्वास बढ़ाने के लिए सफलताओ पर ध्यान केंद्रित करें

ज्यादातर बच्चे गणित में अच्छा करना चाहते है। यदि वे छोटे हैं, तो वे समझेंगे कि यह कुछ ऐसा है जो उनके शिक्षक और माता-पिता सोचते है कि यह महत्वपूर्ण है। यदि वे बड़े हैं, तो वे जानेंगे कि भविष्य की नौकरियों और करियर के लिहाज से यह महत्वपूर्ण है। गणित को लेकर चिंता का एक अहम स्रोत छात्रों को उनके गणित में कमजोर होने को लेकर लगातार मिलने वाली हिदायत हैं। बेचैनी को कम करने के लिए सकारात्मक पर ध्यान देना महत्वपूर्ण है, अपने बच्चे को वह समय बताएं जब उसने गणित में सफलता प्राप्त की थी। गणित में आगे की सफलता का मार्ग प्रशस्त करने के लिए पूर्व में मिली सफलता के अनुभव महत्वपूर्ण हैं। सफलता प्रदर्शित करने का एक व्यावहारिक तरीका यह है कि बच्चे से कोई पुरानी वर्कशीट कराई जाए, भले ही वह दो साल पहले की हो।

एनएपीएलएएन के दबाव से बचें

राष्ट्रीय मूल्यांकन कार्यक्रम-साक्षरता और संख्यात्मकता (एनएपीएलएएन) और किसी भी अन्य परीक्षा को लेकर चिंता को इसके महत्व पर अधिक जोर देकर बढ़ाया जा सकता है। अपने बच्चे को इस बात को लेकर आश्वस्त करना कहीं ज्यादा रचनात्मक तरीका है कि वे परीक्षा में कैसा प्रदर्शन करते हैं इसे लेकर कोई फैसला नहीं सुनाएगा। फिलहाल अधिकांश स्कूलों ने एनएपीएलएएन परीक्षा को लेकर छात्रों को तैयारी करवाने पर जोर है ऐसे में स्वाभाविक है कि कई बच्चे एनएपीएलएएन के दबाव में आ जाएं। हम सलाह देते हैं कि दिन को भयावह बनाने के बजाय रोमांचक बनाने की कोशिश करें। उदाहरण के लिए, परीक्षा के दिन आप एक विशेष एनएपीएलएएन नाश्ते की योजना बना सकते हैं।

बच्चे के साथ काम करें

कोविड के दौरान कई परिवारों ने बच्चों को पढ़ाने का तनाव महसूस किया (माता या पिता को अचानक शिक्षक की भूमिका निभानी पड़ी)। ऐसे में माता-पिता अपने बच्चों को पढ़ने या गृहकार्य करने के लिए अकेले छोड़ने की सोच सकते हैं। लेकिन इससे गणित को लेकर चिंता दूर करने में मदद नहीं मिलने वाली। माता-पिता के लिए छोटे बच्चों के साथ अध्ययन करने और बड़े बच्चों द्वारा पूरा किए जा रहे काम में रुचि दिखाना एक अधिक लाभकारी दृष्टिकोण है। किशोरवय बच्चे हो सकता है पहली बार में सहयोग न करें, लेकिन उन्हें स्पष्ट करें कि आप उनके बारे में कोई राय बनाने के लिए नहीं आए हैं, बल्कि इसलिए उनके पास है कि जरूरत पड़ने पर वे मदद ले सकें। यह दृष्टिकोण बच्चे को दिखाता है कि उनके माता-पिता उनके काम से जुड़े हुए हैं और उनकी सीखने की क्षमता के बारे में सकारात्मक हैं। जैसे-जैसे परीक्षा का दिन निकट आ रहा है, परिवारों को एनएपीएलएएन के बारे में चिंता करने की जरूरत नहीं है। सफलताओं और सकारात्मक अनुभवों का जश्न मनाने पर केंद्रित तैयारी छात्रों को अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए प्रोत्साहित कर सकती है।

(द कन्वरसेशन)

जागरुकता

दूध पिलाते वक्त मोबाइल यूज नहीं करें

एक तरफ जहां स्मार्टफोन ने हमारी जिंदगी को आसान बनाया है, वहीं दूसरी ओर इस बारे में वैज्ञानिक ज्ञान की कमी है कि स्तनपान के दौरान स्मार्टफोन का उपयोग कैसे माओं की शिशु पर ध्यान देने के साथ-साथ मां की शारीरिक उत्तेजना को प्रभावित कर सकता है। पैरेंट और चाइल्ड के एक-दूसरे के पास होने पर मोबाइल फोन का इस्तेमाल बिलकुल भी नहीं करना चाहिए। नवजात शिशु की मां को बच्चे की परवरिश में आराम करने के लिए बहुत कम समय मिल पाता है और वो कभी-कभी दूध पिलाते समय अपने स्मार्टफोन का इस्तेमाल करती हैं।

इन चीजों पर पड़ता है असर

ब्रेस्टफीडिंग के दौरान स्मार्टफोन का इस्तेमाल मां के पोस्चर और शिशु के साथ कम्युनिकेशन को प्रभावित कर सकता है। इसकी वजह से मां को कमर में दर्द, शिशु को दूध ठीक से ना पी पाने की असंतुष्टि और खराब नींद की समस्या हो सकती है।

हाल के वर्षों में, कई अध्ययनों ने सुझाव दिया है कि मां द्वारा अपने शिशु के साथ बातचीत के दौरान स्मार्टफोन का उपयोग ध्यान भटकाने का कारण बनता है और शिशु के प्रति संवेदनशील रूप से प्रतिक्रिया करने की उसकी क्षमता में बाधा उत्पन्न कर सकता है और इस प्रकार उसके बच्चे में तनाव पैदा करता है और स्मृति क्षमता को नकारात्मक रूप से प्रभावित करता है।

शिशु पर पड़ता है असर

एक अध्ययन में स्तनपान के दौरान मां के स्मार्टफोन के उपयोग और मां एवं शिशु की बातचीत की क्वालिटी पर पड़ने वाले असर की जांच की। हमने अलग-अलग दिनों में प्रायोगिक (स्मार्टफोन उपयोग) और नियंत्रण (स्मार्टफोन उपयोग नहीं) स्थितियों के तहत 13 मां और शिशु के जोड़े को एनालाइज किया। दो स्थितियों के बीच मां-शिशु की बातचीत की गुणवत्ता का मूल्यांकन करने के लिए, हमने मातृ-शिशु संवेदनशीलता (एएमआईएस) के आंकलन के जापानी संशोधित संस्करण का उपयोग किया। स्तनपान के दौरान स्मार्टफोन का उपयोग मां की ओर शिशु की प्रतिक्रिया देने के समय और ध्यान को प्रभावित करता है।

पते की बात

आपका निर्णय सही क्यों नहीं हो पाता?

हमारे ज्यादातर छोटे निर्णय होते हैं, लेकिन कुछ में सोच-विचार की जरूरत होती है। सही निर्णय लेने की क्षमता विकसित होना जरूरी है, खासकर काम के दौरान। कई बार लोगों की मानसिकता निर्णय लेने की क्षमता कमजोर करती है। आइए जानते हैं कि हमारे निर्णय सही क्यों नहीं हो पाते-

प्राथमिकता तय नहीं

ऐसा देखने में आता है कि बार-बार निर्णय लेने से स्वाभाविक रूप से ही हमारी निर्णयात्मक क्षमता कमजोर पड़ जाती है। जरूरी है कि आप जितनी जल्दी हो सके वो सभी निर्णय अलग कर लें, जो महत्वपूर्ण हैं। समय की प्राथमिकता तय करें। निर्णय उस वक्त लें, जिस वक्त आप अपने अंदर सबसे ज्यादा ऊर्जा महसूस करते हैं।

एक बार में कई काम

शोध बताते हैं कि जब आप एक बार में दो ज्ञान-संबंधित कामों पर फोकस करते हैं तो आपकी 40 प्रतिशत निर्णयात्मक क्षमता घटती है। ध्यान रखें जब कभी आपको कोई बेहद जरूरी निर्णय लेने की जरूरत पड़ती है तो सबसे पहले उसके बारे में विचार करें और फिर पूरी प्रतिबद्धता के साथ वक्त निकालकर गहराई से फोकस करें।

भावनात्मक कमजोरी

यदि आपको लगे कि आप भावनात्मक रूप से कमजोर पड़ सकते हैं, उस वक्त प्रतिक्रिया देने से बचें। जब संभव हो तब कंप्यूटर से कुछ देर के लिए दूरी बना लें या फोन को कुछ समय के लिए खुद से दूर कर दें।

कुछ देर का ब्रेक लें और जब आपको लगे कि अब आप ज्यादा स्पष्ट सोच पा रहे हैं, शांत हैं तब किसी निर्णय पर पहुंचे।

समय सीमा तय नहीं कर पाते हैं

हम जितनी ज्यादा जानकारी लेने के बारे में सोचते हैं उतनी देर निर्णय तक पहुंचने में होती है। इसलिए केवल आपके काम की, बेहद जरूरी जानकारी हासिल करने के बारे में ही सोचें। निर्णय लेने के लिए एक समय सीमा तय करें और फिर उस समय सीमा का ख्याल रखते हुए ही आगे बढ़ें। जहां तक हो सके डेडलाइन को तोड़ें नहीं।

जागरुकता

बच्चा नींद में चलता है तो करें कुछ उपाय

आमतौर पर 4 साल की उम्र से बच्चे नींद में चलना शुरू करते हैं और टीनएज उम्र शुरू होने से पहले ये चीज बंद हो जाती है। स्लीप वॉक यानि नींद में चलने पर महीने में कुछ बार बच्चा रात को अपने बिस्तर से उठकर चलने लगता है। वो 20 मिनट तक चल सकता है और वापस अपने बिस्तर पर आकर लेट सकता है या कहीं भी लेट सकता है।

स्लीप वॉक के दौरान बच्चे की आंखें खुली होती हैं पर वो फोकस नहीं होता है। वो नींद में दरवाजा खोल सकता है, कपड़े बदल सकता है, खा सकता है, पानी पी सकता है या टॉयलेट करने भी जा सकता है। कभी-कभी बच्चा नींद में बात भी करता है। सुबह उठने पर बच्चे को कुछ भी याद नहीं होता है।

कारण

यदि आप या आपका साथी स्लीपवॉकर हैं या थे, तो आपके बच्चे में भी यह आदत हो सकती है। नींद की कमी या थकान, अनियमित स्लीप पैटर्न, बीमारी या बुखार, कुछ दवाएं और तनाव की वजह से बच्चा नींद में चल सकता है।

नुकसान

नींद में चलना हानिकारक नहीं है लेकिन इस दौरान बच्चे को होश नहीं होता है और उसे पता नहीं होता है कि वो क्या कर रहा है जैसे कि सीढ़ियां उतरना या चढ़ना या खिड़की खोलना आदि। ऐसे में बच्चे को चोट लगने या हानि पहुंचने का खतरा रहता है। नींद में चलने का यह मतलब नहीं है कि बच्चे के साथ मानसिक या भावनात्मक रूप से कोई समस्या है। इससे बच्चे के भावनात्मक स्वास्थ्य पर भी कोई असर नहीं पड़ता है क्योंकि जो कुछ भी हुआ, वो इन्हें याद ही नहीं रहता है।

नींद में चलने से कैसे बचें

नींद में चलने से बचने के लिए बच्चे को रात को सोने से पहले कोई सॉफ्ट म्यूजिक सुनाकर रिलैक्स करें। उसके उठने और सोने का समय सेट करें यानि की उसका स्लीप पैटर्न बनाएं, बच्चे को सुबह जल्दी उठाएं ताकि वो रात को जल्दी सो सके, शाम को या सोने से पहले बच्चे को ज्यादा फ्लूइड्स ना दें ताकि वो नींद में बाथरूम ना जाए।

डॉक्टर के पास कब जाएं

बच्चों में स्लीपवॉकिंग आमतौर पर किसी बीमारी या चिकित्सीय स्थिति के कारण नहीं होती है, लेकिन अगर नींद में चलने से आपका बच्चा अगले ही दिन थक जाता है, सुबह के शुरुआती घंटों में स्लीप वॉक कर रहा है, हर रात 2 बार से अधिक होता है, वे जोर से खर्राटे लेता है या हांफ रहा है, वे स्लीपवॉकिंग के दौरान खुद को गीला कर लेता है, उनका स्लीपवॉकिंग आपको बहुत असामान्य लगता है तो इस स्थिति में आपको डॉक्टर से बात करनी चाहिए।

दिमाग लगाओ

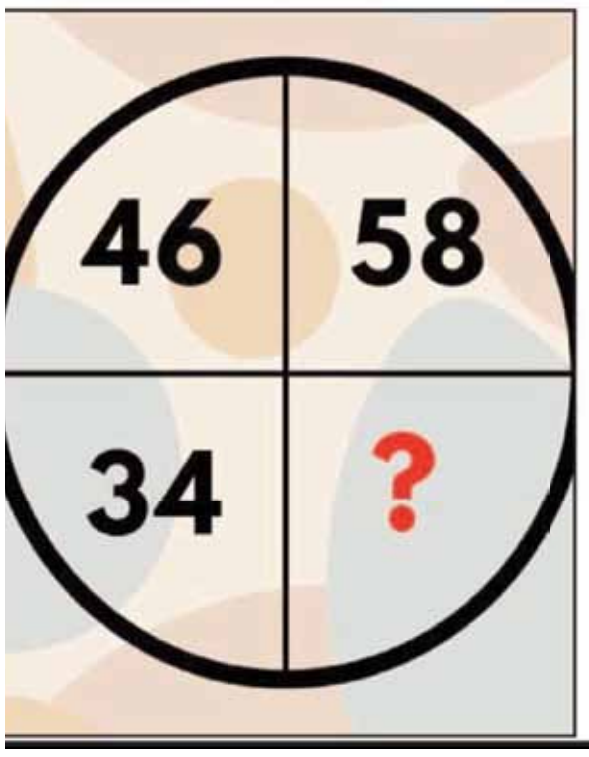

रंग भरो

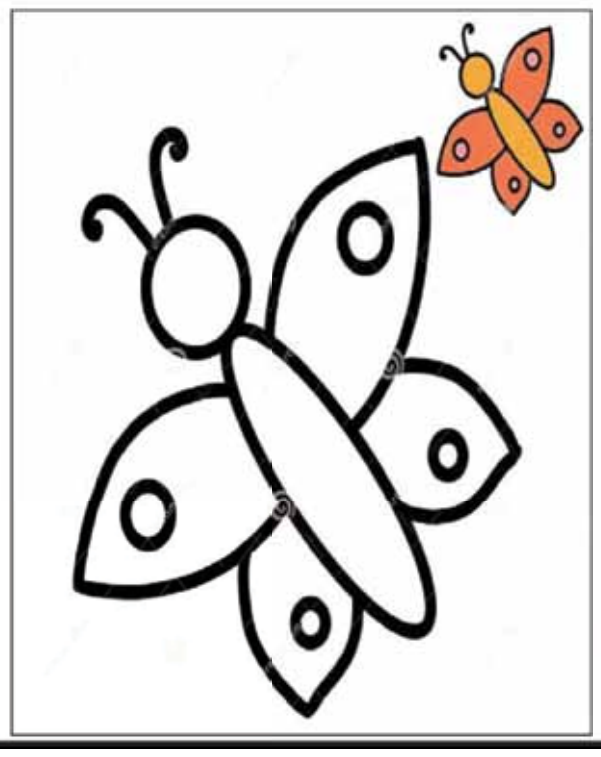

शब्द बनाओ

T	H	R	E	E	D	B	E	A	T	F	S
M	K	F	L	H	A	S	G	D	M	B	L
F	S	Y	N	S	P	T	O	P	S	G	E
C	H	S	I	E	K	R	M	S	E	P	E
Y	E	C	N	E	A	E	S	A	E	N	P
E	A	P	E	N	H	E	C	R	D	B	I
A	Z	C	A	Q	B	T	B	G	M	G	C
R	M	L	R	D	K	A	Y	I	D	N	G
P	A	I	B	H	E	D	S	E	E	M	T
W	E	E	K	P	E	N	I	D	N	A	R
P	A	C	A	R	P	B	A	M	X	P	E
F	E	E	T	Y	A	R	E	A	D	Z	E

THREE, TREE, SEE, SHE, FEET, SEED, WEEK, SLEEP, STREET, EAT, READ, NEAR, YEAR, KEEP, SEEN

3

रास्ता ढूंढ़ो

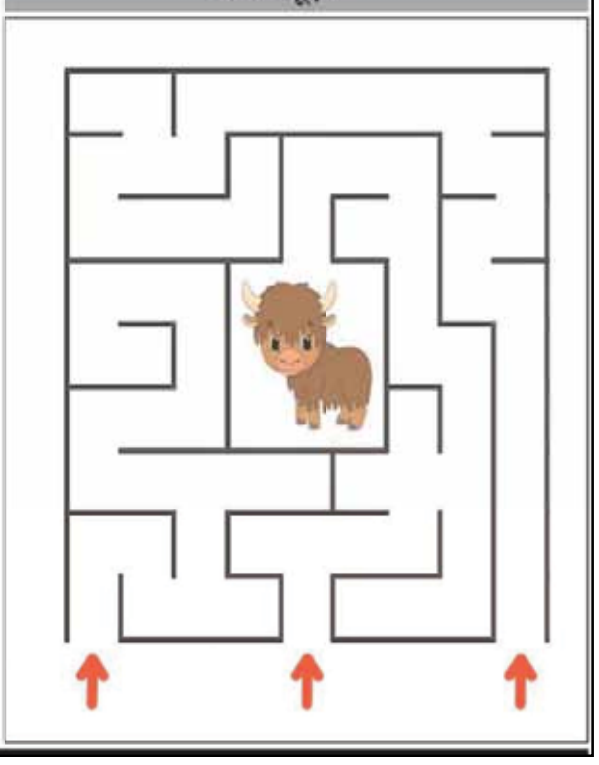

पूर्व ऑस्ट्रेलियाई कप्तान लिसा बोली, इस बार भारतीय महिला टीम जीत सकती है टी20 विश्व कप

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम की पूर्व कप्तान लीसा स्थालेकर के अनुसार इस बार यूएई में होने वाले महिला टी20 विश्व कप में भारतीय टीम जीत की प्रबल दावेदार है। लीसाके अनुसार इस अगले माह होने वाले इस टूर्नामेंट मे भारतीय टीम की सलामी बल्लेबाज़ शैफ़ाली वर्मा और स्मृति मंधाना अहम भूमिका निभा सकती हैं। विश्वकप में भारतीय टीम को ग्रुप ए में गत चैंपियन ऑस्ट्रेलिया, न्यूज़ीलैंड, पाकिस्तान और श्रीलंका के साथ रखा गया है। लीसा के अनुसार मेजबान ऑस्ट्रेलियाई टीम भी सेमीफाइनल में पहुंच जाएगी। वे मौजूदा चैंपियन हैं। इसके अलावा इंग्लैंड के भी अच्छे अवसर हैं। वहीं हरमनप्रीत कौर की कप्तानी में भारतीय टीम इस बार पिछली गलतियों को ठीक कर सकती है। वे 2020 में फाइनलिस्ट थे और वे लंबे

समय से सेमीफाइनलिस्ट हैं। मुझे लगता है कि उनके पास अब इसे बदलने का अवसर है। मुझे लगता है कि वे अच्छी शुरुआत के लिए अपने सलामी बल्लेबाजों पर निर्भर रहेंगे। जैसे, अगर पूजा वस्त्रकर अगर फिट रह सकती है और वापसी की राह पर है, तो वह कई टीमों के लिए काफी मुश्किल साबित हो सकती है। इसलिए, भारत की संभावनाएं बहुत अधिक हैं। मैं उनसे सेमीफाइनल में पहुंचने की उम्मीद करूंगी , अगर फाइनल में नहीं। मुझे लगता है कि उनके पास ताकत, गहराई और अच्छे गेंदबाज़ हैं। मुझे देखना होगा कि क्या सलामी बल्लेबाज़ जेमिमा रोड्रिग्स अच्छा प्रदर्शन करेंगी। फिर चौथी टीम - मुझे नहीं लगता कि न्यूज़ीलैंड वहां होगा, मैंने जो देखा है उसके आधार पर। दक्षिण अफ़्रीका, ज़ाहिर है, 2023 में फ़ाइनलिस्ट था। ऐसा लग रहा था कि उनके पास भी ऐसी ही टीम है, इसलिए उन्हें ज़ोर लगाना होगा। साथ ही कहा कि वेस्ट इंडीज को भी नजरअंदाज न करें। अगर वे पुरुषों की टीम की तरह खेलते हैं और शानदार टूर्नामेंट खेलते हैं, तो कुछ भी संभव हो सकता है। ऑस्ट्रेलियाई टीम के साथ ऑलराउंडर के रूप में 2010 और 2012 टी20 विश्व कप जीतने वाली लीसा यूएई में आगामी टूर्नामेंट में कमेंट्री करेंगी। उन्होंने बताया कि कैसे टी20 क्रिकेट की अप्रत्याशितता उन्हें खेल के सबसे छोटे प्रारूप को पसंद करती है। कुछ भी संभव है। 50 साल पुराने क्रिकेट की तुलना में टी20 क्रिकेट की सबसे अच्छी बात यह है कि कोई भी दिन अच्छा खेल सकता है या कोई बेहतरीन गेंदबाजी कर सकता है। इसका एक उदाहरण पूनम यादव हैं, जिन्होंने 2020 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहला मैच खेला था, उन्होंने शायद 3 या 4 विकेट (4/19) लिए थे। उसने ऑस्ट्रेलियाई मध्यक्रम को काफी हद तक ध्वस्त कर दिया, इसलिए उन्होंने पर्याप्त रन नहीं बनाए। इसलिए, किसी को भी एक दिन का मौका मिल सकता है। शैफाली, स्मृति, हरमन या भारत के शीर्ष क्रम के अन्य खिलाड़ी किसी भी तरह से कुछ मैचों में शतक बना सकते हैं। इसलिए, मुझे इस प्रारूप के बारे में यही पसंद है।लीसा ने गत चैंपियन ऑस्ट्रेलिया की जीत की मानसिकता के मुख्य सिद्धांत को आगे समझाया, जिसने 2018, 2020 और 2023 में टी20 विश्व कप जीत की हैट्रिक के अलावा 2022 वनडे विश्व कप जीत और उसी वर्ष राष्ट्रमंडल खेलों के टी20 स्वर्ण पदक जीता है। ऑस्ट्रेलिया ने मुख्य रूप से इसलिए जीत हासिल की है क्योंकि टीम के भीतर यह मानसिकता है कि वे किसी भी स्थिति से जीत सकते हैं।

युवराज ने खोला छह छक्के लगाने का राज , फ्लिंटॉफ के साथ हुई बहस से प्रेरित हुआ

नई दिल्ली। पूर्व क्रिकेटर युवराज सिंह ने आईसीसी टी20 विश्व कप 2007 के पहले ही मैच में इंग्लैंड के खिलाफ एक ही ओवर में छह छक्के लगाकर एक नया रिकार्ड बनाया था। उसी को लेकर युवराज ने माइकल वॉन और एडम गिलक्रिस्ट के साथ बातचीत में कहा कि उस दिन सभी गेंदें बल्ले के बीचों बीच आ रहीं थीं। उन्होंने तेज गेंदबाज स्टुअर्ट ब्रॉड के ओवर में ये छक्के लगाये थे। उसी के साथ युवराज टी20 में एक ही ओवर में 6 छक्के लगाने वाले पहले अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी बने। युवराज ने कहा, यह पहला टी20 विश्व कप था और किसी को नहीं पता था कि टी20 खेल को कैसे खेला जाना चाहिए। यॉर्कशायर वह जगह थी जहां मैंने अपना पहला टी20 मैच खेला और इसी दौरान मुझे ये प्रारूप समझ में आया। उन्होंने यह भी कहा कि उस समय अनुभवी खिलाड़ियों को आराम दिया गया था। साथ ही

कहा कि फ्लिंटॉफ के साथ हुई बहस के बाद उन्हें लगा कि 6 छक्के लगाकर जवाब देना चाहिये। उन्होंने कहा, फ्लिंटॉफ ने मुझसे कुछ बातें कहीं जिससे मुझे गुस्सा आ गया। तब मैंने अंपायर से कहा कि वह इसे शुरू कर रहे हैं और या तो उन्हें रुकना होगा या अंपायर को बीच में आना होगा। अंपायर ने इसपर अधिक ध्यान नहीं दिखा जिससे मेरा गुस्सा बढ़ गया। तब मैं हर गेंद को मैदान के बाहर मारना चाहता था, और ऐसा ही हुआ। तीसरे छक्के के बाद, मैंने ब्रॉड को लांग ऑफ पर मारा। इसके बाद गेंदबाज ने पैरों पर गें डालने का प्रयास किया। चौथी गेंद अच्छी थी, जो मेरे बल्ले के अंगूठे पर लगी, लेकिन बाउंड्री छोटी थी, इसलिए वह छक्का लग गया। अंतिम गेंद पर मुझे पता था कि यॉर्कर आएगी, मैंने उस पर बल्ला चला दिया जिसपर कि

तेज गेंदबाज आकाश दीप ने कहा अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में बदलाव लाये रोहित और विराट

कानपुर। युवा तेज गेंदबाज आकाश दीप ने भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा और अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली की जमकर सराहना की है। आकाश ने कहा कि ये दोनो ही अपनी कप्तानी में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में बदलाव लाये हैं। इस दौरान ड्रेसिंग रूम का माहौल बेहतर हुआ है। आकाश दीप ने डेब्यू के बाद से ही अपने प्रदर्शन से सभी को प्रभावित किया है। इस क्रिकेटर ने साल की शुरुआत में इंग्लैंड के खिलाफ अपने पहले टेस्ट मैच में तीन विकेट लिए थे। इसके अलावा चेन्नई में बांग्लादेश के खिलाफ भी अच्छी गेंदबाजी करते हुए दो विकेट लिए थे। आकाश ने कहा कि उन्हें रोहित और विराट से मिले मार्गदर्शन से लाभ हुआ है। आकाश ने कहा कि जब मैं यहां आया, तो मैंने रोहित, विराट भाई जैसे खिलाड़ियों का समर्पण देख है। मुझे एहसास

हुआ कि उन्होंने बहुत कुछ हासिल किया है इसके बाद भी वे प्रशिक्षण के दौरान अभी भी कड़ी मेहनत कर रहे हैं। उनकी विचार प्रक्रिया एक अलग स्तर पर है। यह मुझे और भी अधिक मेहनत करने के लिए प्रेरित करती है। इस तेज गेंदबाज ने कप्तान रोहित की सरल नेतृत्व शैली की भी प्रशंस की। उन्होंने कहा कि शुरुआत में मुझे झिझक थी कि दबाव होगा, लेकिन कप्ताने ने चीजों को आसन बनाया। मैंने पहले इतने सहयोग करने वाले कप्तान नहीं देखे हैं। वह चीजों को सरल रखते हैं। इससे मुझे कभी महसूस नहीं हुआ कि मैं घरेलू या अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेल रहा हूं। पिछले दो साल में, मैंने बहुत क्रिकेट खेला है। यह हमारे लिए सिर्फ तीन महीने का सत्र नहीं है। रणजी के बाद हम दलीप ट्रॉफी, ईरानी कप खेलते हैं क्योंकि एक खिलाड़ी के तौर पर आपको अपनी को समझने और अपनी ताकत को जानने की जरूरत है।

ऋषभ नहीं जा रहे आरसीबी , सोशल मीडिया में फर्जी खबर लिखने वालों पर भड़के

कानपुर। दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) के कप्तान ऋषभ पंत ने कहा है कि वह आईपीएल के अगले सत्र में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) में नहीं जा रहे हैं और इस प्रकार की जो भी बातें कही जा रही हैं वे गलत हैं। ऋषभ ने एक फैन पेज की आलोचना की जो इन फर्जी खबरों को फैला रहा था। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया पर ऐसी अविश्वसनीय बातें फैलाना सही नहीं है। इस प्रकार की चीजों को जारी करने से पहले खबर की पुष्टि कर लेनी चाहिये और आधारहीन बातें कहकर संशय नहीं फैलाना चाहिये। इस आक्रामक बल्लेबाज ने नाराजगी जताते हुए लिखा, कुछ लोग सोशल मीडिया पर इतनी फर्जी खबरें क्यों फैलाते हैं? अगर ऐसा समझदार लोग कर रहे हैं तो ये और भी निराशाजनक बात है।

बिना वजह अविश्वसनीय माहौल बनाना ठीक नहीं है हालांकि मैं जानता हूं कि यह पहली बार नहीं है और आखिरी बार भी नहीं होगा पर मुझे मजबूरन ये लिखना पड़ा है। ऋषभ ने 2024 आईपीएल सत्र से खेल में वापसी की थी। उन्होंने टी20 विश्व कप 2024 में 8 मैचों में 127.61 की स्ट्राइक रेट से 171 रन बनाए। वहीं इस क्रिकेटर ने बांग्लादेश के खिलाफ अपनी पहली टेस्ट वापसी की, जिसमें उन्होंने 128 गेंदों पर 109 रन की शानदार पारी खेली। इस क्रिकेटर ने यह प्रतिक्रिया फर्जी खबरों के प्रति अपने प्रशंसकों को सजग करने के लिए की है।

टी20 विश्वकप में ट्रंप कार्ड हो सकती हैं दीप्ति : पूनम

नई दिल्ली। महिला क्रिकेटर स्पिनर पूनम यादव ने कहा है कि आगामी टी20 विश्वकप क्रिकेट में भारतीय टीम एक बड़ी दावेदार के तौर पर उतरेगी। पूनम के अनुसार भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर इस टूर्नामेंट में हालात के अनुसार एक या दो स्पिनरों को शामिल कर सकती है। अगर ओस अधिक रही तो दो नहीं तो एक स्पिनर ही पर्याप्त रहेगा। इस स्पिनर ने कहा कि दीप्ति शर्मा और आशा शोभना दोनों को भी अंतिम एकादश में जगह मिल सकती है पर दीप्ति अनुभवी होने के कारण ट्रंप कार्ड साबित हो सकती हैं। दीप्ति ने अब तक 117 मैचों की 75 पारियों में 104.29 की स्ट्राइक रेट से 1020 बनाने के साथ ही 27 131 विकेट भी लिए हैं। पूनम ने कहा कि यदि ओस अधिक रहती है तो हरमनप्रीत एक या दो स्पिनर रख सकती है। साथ ही कहा कि पिच के उछाल को

देखते हुए तेज गेंदबाज भी अहम रहेंगे। इसके अलावा वह कलाई की स्पिनर शोभना पर भी भरोसा कर सकती हैं। कलाई के स्पिनर किसी भी प्रकार के ट्रैक पर गेंद को घुमा सकते हैं और उनकी गति आम तौर पर धीमी होती है। दीप्ति भारत के गेंदबाजी आक्रमण का नेतृत्व करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी। पिच कैसी भी हो तेज गेंदबाज अहम भूमिका निभाते हैं इसलिए उनको प्राथमिकता मिलेगी। भारतीय टीम आज तक विश्व कप नहीं जीत पायी है। साल 2022 में वह सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया से हार गयी थी।

व्यापार

नए रिकॉर्ड उच्च स्तर पर शेयर बाजार

सेंसेक्स 86 हजार के करीब, निफ्टी 26,270 पर

मुंबई। आईटी शेयरों में जोरदार खरीदारी और वैश्विक बाजारों में तेजी की वजह से बीएसई बेंचमार्क सेंसेक्स शुक्रवार को शुरुआती कारोबार में अपने नए उच्च स्तर पर पहुंच गया। शुरुआती कारोबार में बीएसई सेंसेक्स 119.38 अंक चढ़कर 85,955.50 की रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गया। एनएसई निफ्टी 34.5 अंक बढ़कर 26,250.55 पर पहुंच गया। सेंसेक्स की 30 कंपनियों में से इंफोसिस, टेक महिंद्रा, एचसीएल टेक्नोलॉजीज, सन फार्मा, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज और टाटा स्टील सबसे अधिक लाभ में रहीं। दूसरी तरफ पावर ग्रिड, लार्सन एंड टुब्रो, भारती एयरटेल और महिंद्रा एंड महिंद्रा के शेयरों में गिरावट देखने को मिल रही है। वहीं गुरुवार को बीएसई बेंचमार्क 666.25 अंक उछलकर 85,836.12 के सर्वकालिक उच्च स्तर पर बंद हुआ। दिन के दौरान यह 760.56 अंक की बढ़त के साथ 85,930.43 के रिकॉर्ड इंट्रा-डे शिखर पर पहुंच गया था। इसी तरह निफ्टी 211.90 अंक चढ़कर 26,216.05 की रिकॉर्ड ऊंचाई पर बंद हुआ। यह 246.75 अंक बढ़कर 26,250.90 के नए इंट्रा-डे जीवनकाल शिखर पर पहुंच गया। वहीं एशियाई बाजारों में जापान का टोक्यो, चीन का शंघाई और हांगकांग ऊंचे स्तर

पर कारोबार कर रहे थे जबकि साउथ कोरिया का सियोल निचले स्तर पर कारोबार कर रहा था। अमेरिकी बाजार गुरुवार को तेजी के साथ बंद हुए। एक्सचेंज डेटा के मुताबिक विदेशी संस्थागत निवेशक गुरुवार को खरीदार बन गए और उन्होंने 629.96 करोड़ रुपये की इक्विटी खरीदी। घरेलू संस्थागत निवेशकों ने भी 2,405.12 करोड़ रुपये की इक्विटी खरीदी।

सोने-चांदी की कीमतों में गिरावट

सोना 75,350 रुपए प्रति 10 ग्राम, चांदी लगभग 92,400 रुपए

नई दिल्ली। सोने-चांदी के वायदा भाव में शुक्रवार को सुस्ती देखी जा रही है। दोनों के वायदा भाव गिरावट के साथ खुले। सोने के वायदा भाव 75,350 रुपये के करीब, जबकि चांदी के वायदा भाव 92,400 रुपये के करीब कारोबार कर रहे थे। वैश्विक बाजार में सोने के भाव तेज शुरुआत के बाद सुस्त पड़ गए। चांदी के वायदा भाव की शुरुआत गिरावट के साथ ही हुई। सोने के वायदा भाव की शुरुआत सुस्ती के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क अक्टूबर कॉन्ट्रेक्ट 11 रुपये की गिरावट के साथ 75,376 रुपये के भाव पर खुला। इस समय यह 26 रुपये की गिरावट के साथ 75,361 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। चांदी के वायदा भाव की शुरुआत सुस्त रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क दिसंबर कॉन्ट्रेक्ट 335 रुपये की गिरावट के साथ 92,329 रुपये पर खुला। इस यह 275 रुपये की गिरावट के साथ 92,389 रुपये

के भाव पर कारोबार कर रहा था। वैश्विक बाजार में सोने के वायदा भाव की शुरुआत तेजी के साथ हुई। लेकिन बाद में इसके भाव गिर गए। चांदी के भाव गिरावट के साथ खुले। कॉमेक्स पर सोना 2,695.10 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 2,694.90 डॉलर प्रति औंस था। इस समय यह 3.30 डॉलर की गिरावट के साथ 2,691.60 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 32.31 डॉलर के भाव पर खुले, पिछला बंद भाव 32.34 डॉलर था। इस समय यह 0.12 डॉलर की गिरावट के साथ 32.22 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

प्रताप स्नैक्स में 46.85 फीसदी हिस्सेदारी खरीदेंगी ऑथम और माही मधुसूदन

नई दिल्ली। ऑथम इन्वेस्टमेंट एंड इंफ्रास्ट्रक्चर और माही मधुसूदन केला मिलकर प्रताप स्नैक्स में 46.85 प्रतिशत हिस्सेदारी का अधिग्रहण करेंगे। प्रताप स्नैक्स, अल्पाहार (स्नैक) ब्रांड येलो डायमंड और स्वीट स्नैक्स ब्रांड रिच फीस्ट का परिचालन करती है। कंपनी ने शेयर बाजार को शुक्रवार को बताया कि कंपनी ने अपने तीन निजी इक्विटी प्रवर्तकों से 846.60 करोड़ रुपये के सौदे में 46.85 प्रतिशत शेयर हासिल करने के लिए प्रवर्तकों के साथ शेयर खरीद समझौता किया है। प्रवर्तक पीक एक्सवी पार्टनर्स ग्रोथ इन्वेस्टमेंट्स-1, पीक एक्सवी पार्टनर्स ग्रोथ इन्वेस्टमेंट होल्डिंग्स-2 और सिकोइया कैपिटल जीएफआईवी मॉरीशस इन्वेस्टमेंट्स के पास क्रमशः 2.48

प्रतिशत, 34.65 प्रतिशत और 9.72 प्रतिशत हिस्सेदारी है। इसके अलावा कंपनी ने नियंत्रणकारी हिस्सेदारी के अधिग्रहण से प्रेरित होकर बाजार से कंपनी में 26 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदने के लिए खुली पेशकश की भी घोषणा की है। प्रति शेयर 864 रुपये की कीमत की पेशकश की है, जो कुल मिलाकर 544.17 करोड़ रुपये है। इंदौर में 2003 में स्थापित प्रताप स्नैक्स भारत की सबसे तेजी से बढ़ती स्नैक फूड कंपनियों में से एक है।

रुपया दो पैसे की तेजी के साथ 83.64 डॉलर पर

मुंबई। कच्चे तेल की कीमतों में नरमी और विदेशी पूंजी के प्रवाह के बीच रुपया शुक्रवार को शुरुआती कारोबार में दो पैसे की बढ़त के साथ 83.64 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि घरेलू शेयर बाजार में नरमी, प्रमुख प्रतिद्वंद्वियों के मुकाबले डॉलर के मजबूत रुख और आयातकों की ओर से डॉलर की मांग बढ़ने से भारतीय मुद्रा पर दबाव पड़ा। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 83.64 प्रति डॉलर पर खुला। शुरुआती सौदों के बाद 83.69 प्रति डॉलर पर लुढ़क गया, हालांकि फिर 83.64 प्रति डॉलर पर आ गया जो पिछले बंद भाव से दो पैसे की बढ़त दर्शाता है। रुपया गुरुवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 83.66 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.15 प्रतिशत की बढ़त के साथ 100.39 पर रहा।

अमेरिकी राष्ट्रपति बाइडन ने अस्थायी सरकारी व्यय विधेयक पर किए हस्ताक्षर

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने एक अस्थायी सरकारी व्यय विधेयक पर हस्ताक्षर किए हैं। यह दिसंबर तक एजेंसियों का काम चलाने में मदद करेगा। इससे पहले कांग्रेस ने नवंबर चुनाव के बाद तक प्रमुख खर्च निर्णयों को टाल दिया था। विधेयक आम तौर पर 20 दिसंबर तक मौजूदा स्तरों पर एजेंसियों को धनराशि उपलब्ध कराता है। सीक्रेट सर्विस को मजबूत करने के लिए सांसदों ने उसे 23.1 करोड़ डॉलर देने के प्रस्ताव पर भी सहमति व्यक्त की। रिपब्लिकन की ओर से राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रम्प पर दो बार हुए जानलेवा हमलों के प्रयास के मद्देनजर यह फैसला किया गया।राष्ट्रपति पद के चुनाव के बाद सत्ता हस्तांतरण में सहायता

के लिए भी धनराशि दी गई है। विधेयक बुधवार को कांग्रेस में द्विदलीय आधार पर आसानी से पारित हो गया। यह सदन में 341-82 तथा सीनेट में 78-18 के मतों के अंतर से पारित हुआ।

बॉक्स ऑफिस पर हॉरर कॉमेडी फिल्म स्त्री 2 अब भी कर रही करोड़ों में कमाई

हॉरर कॉमेडी फिल्म 'स्त्री 2 को सिनेमाघरों में बवाल काटते हुए एक महीने से ज्यादा हो चुका है लेकिन फिल्म बॉक्स ऑफिस से हटने का नाम नहीं ले रही है. हालांकि अब छठे हफ्ते में 'स्त्री 2 की कमाई में भारी गिरावट भी देखी जा रही है बावजूद इसके ये करोड़ों का ही दांव चल रही है. इसके साथ इसके कुल कलेक्शन में भी हर दिन इजाफा हो रहा है. चलिए यहां जानते हैं कि 'स्त्री 2 ने रिलीज के 41वें दिन कितनी कमाई की है? 'स्त्री 2 बॉक्स ऑफिस पर कुंडली जमाए बैठी है और अपने काले जादू से दर्शकों को सिनेमाघरों तक खू खींच रही है. इस फिल्म ने अब तक बॉक्स ऑफिस पर रिकॉर्ड तोड़ परफॉर्म किया है और इसी के साथ इसने कई बड़ी फिल्मों को धोबी पछाड़ भी दे दिया है. बता दें कि 'स्त्री 2 60 करोड़ के बजट में बनी फिल्म है और इसने अपनी लागत से 865 फीसदी ज्यादा कमाई कर ली है. इसी के साथ ये फिल्म ना केवल हिंदी की सबसे बड़ी फिल्म बन चुकी है बल्कि ये 600 करोड़ के क्लब की भी शुरुआत कर चुकी है. वहीं 'स्त्री 2 ने अब नई रिलीज होने वाली फिल्मों के लिए ऐसा बेंचमार्क सेट कर दिया है जिसे पार करना बेहद मुश्किल होने वाला है. इन सबके बीच 'स्त्री 2 की कमाई की बात करें तो तरण आदर्श द्वारा शेयर किए गए आंकड़ों के मुताबिक 'स्त्री 2 की पहले हफ्ते की कमाई 307.80 करोड़ रुपये, दूसरे हफ्ते का कलेक्शन 145.80 करोड़ रुपये, तीसरे हफ्ते का कारोबार 72.83 करोड़ रुपये, चौथे हफ्ते का बिजनेस 37.75 करोड़ रुपये और पांचवें हफ्ते का कारोबार 25.72 करोड़ रुपये रहा. वहीं छठे फ्राइडे फिल्म ने 5.20 करोड़, छठे शनिवार 3.80 करोड़, छठे रविवार 5.32 करोड़ और छठे सोमवार 1.50 करोड़ की कमाई की. जिसके बाद फिल्म का कुल कलेक्शन 605.72 करोड़ रुपये हो गया. वहीं अब फिल्म की रिलीज के 41वें दिन यानी छठे मंगलवार की कमाई के शुरुआती आंकड़े आ गए हैं. सैकनिल्क की अर्ली ट्रेंड रिपोर्ट के मुताबिक 'स्त्री 2 ने रिलीज के छठे मंगलवार यानी 41वें दिन 1.25 करोड़ का कलेक्शन किया है. इसी के साथ 'स्त्री 2 की 41 दिनों की कुल कमाई अब 606.97 करोड़ हो गई है. 'स्त्री 2 पिछले 41 दिनों से सिनेमाघरों में दर्शकों की फेवरेट बनी हुई है. इस बीच तमाम फिल्में आई और चली गईं लेकिन 'स्त्री 2 का कोई भी बाल बांका नहीं कर पाई. हालांकि अब लग रहा है कि 'स्त्री 2 का बॉक्स ऑफिस से एक छत्र राज खत्म होने वाला है. दरअसल 27 सिंतबर को सिनेमाघरों में जूनियर एनटीआर, जाह्नवी कपूर और सैफ अली खान स्टारर 'देवरा रिलीज हो रही है. ऐसे में 'स्त्री 2 की स्क्रीन्स कम हो जाएंगीं वहीं दर्शकों के लिए भी अब इस एक महीने से ज्यादा पुरानी फिल्म की बजाय नई रिलीज चॉइस लिस्ट में होगी.

आयुष्मान खुराना-पश्मीना का नया गरबा सॉन्ग जचदी का टीजर आउट

थिरकने पर मजबूर कर देगी गाने का बीट

आयुष्मान-खुराना पश्मीना रोशन इस साल नवरात्रि पर धमाल मचाने के लिए तैयार है, क्योंकि यह जोड़ी एक दमदार बीट के साथ एक नया गरबा सॉन्ग लेकर आ रही हैं. मेकर्स ने गाने का टीजर जारी किया है. पूरा गाना 27 सितंबर को रिलीज होने के लिए पूरी तरह तैयार है. बुधवार को आयुष्मान खुराना ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम पर अपना नया गरबा सॉन्ग जचदी का टीजर शेयर किया है और कैप्शन में लिखा है, जचदी जल्द ही रिलीज होने वाला है, लेकिन यहां उस पागलपन की एक झलक है जो स्टोर में है. यह ट्रैक 27 सितंबर को रिलीज होगा. टीजर की शुरुआत आयुष्मान खुराना से होती है, जो गरबा के लिए पूरी तैयारी के साथ डांस करने पहुंचते हैं. इसके बाद पश्मीना की

झलक दिखाई गई है, जो गुजराती ड्रेस में बेहद खूबसूरत लग रही हैं. आयुष्मान और पश्मीरा शानदार डांस स्टेप करते हैं. गाने की धून की बात करें तो इसका बीट काफी दमदार है, जो लोगों को थिरकने पर मजबूर कर देगी. आयुष्मान खुराना और पश्मीना रोशन के गरबा सॉन्ग जचदी का कलरफुल पोस्टर जारी हुआ था. एक्टर ने इसे साझा करते हुए कैप्शन में लिखा है, आ रहा हूं लेके जचदी इस नवरात्रि को और एलआईटी बनाएं जिसमें शानदार पश्मीना रोशन शामिल है, यह ट्रैक 27 सितंबर को रिलीज होगा. गाने को आवाज आयुष्मान ने दिया है. जबकि पश्मीना ने फचरिंग की हैं. बता दें पश्मीना, ऋतिक रोशन की कजिन हैं. उन्होंने इस साल की शुरुआत में निपुण धर्माधिकारी की फिल्म इश्क विश्क रिबाउंड से डेब्यू किया था. फिलहाल पूरा गाना 27 सितंबर को धूम मचाने आ रहा है.

सिकंदर से आए भाईजान के लुक ने मचा दी इंटरनेट पर तबाही

सलमान खान ने दिखाई इंटेंस वर्कआउट की झलक

सलमान खान ईद 2025 के मौके पर बॉक्स ऑफिस पर कमाई की सुनामी लाने की तैयारी कर रहे हैं. सलमान खान ईद 2025 पर बॉक्स ऑफिस पर सिकंदर से धमाका करेंगे. सलमान खान का फिल्म सिकंदर से एक और पोस्टर जारी हुआ है. इस पोस्टर को सलमान खान का सिकंदर से आया फर्स्ट लुक मान रहे हैं. सलमान खान का फिल्म सिकंदर से आया ये पोस्टर अब सोशल मीडिया पर तबाही मचा रहा है. सलमान खान के फैंस भाईजान का सिकंदर लुक देख हक्के-बक्के रह गए हैं. सलमान खान के फैंस और बॉलीवुड सेलेब्स अब जमकर भाईजान के लुक की तारीफ कर रहे हैं. सलमान खान ने बीती रात सिकंदर से अपना फर्स्ट लुक शेयर किया है. सलमान खान ने अपनी यह तस्वीर अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर की है. इसके अलावा सलमान खान का यह लुक अब उनके फैंस के बीच छा गया है. सलमान खान सिकंदर के सेट से आई इस तस्वीर में जिम करते दिख दिख रहे हैं सलमान खान का बियर्ड लुक देखने को मिल रहा है. और सबसे अहम भाईजान के फैंस की नजर सलमान खान के डोलों पर सबसे ज्यादा दिख रही है. सलमान खान फिल्म सिकंदर में बहुत ही दमदार और मसल्समैन के लुक में नजर आने वाले हैं.

42 की उम्र में भी बेहद जवां दिखती हैं आमना शरीफ

ग्लैमरस तस्वीरें देखकर फैंस हुए फिदा

टीवी एक्ट्रेस आमना शरीफ आए दिन फैंस को अपने लेटेस्ट लक्स से विजुअल ट्रीट देती रहती हैं। उनका बोल्ड लुक इंस्टाग्राम पर आते ही छा जाता है। अब हाल ही में एक्ट्रेस आमना शरीफ ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंटरनेट पर साझा की हैं। इन तस्वीरों में उनका स्टनिंग अंदाज देखकर फैंस बेकाबू हो गए हैं। एक्ट्रेस आमना शरीफ हमेशा अपने बोल्ड एंड ग्लैमरस फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती रहती हैं। उनका स्टनिंग अंदाज इंटरनेट पर आते ही छा जाता है। हाल ही में एक्ट्रेस आमना शरीफ ने बेहद शानदार फोटोज शेयर की हैं। इन तस्वीरों में उनका कातिलाना अंदाज देखकर फैंस के दिलों पर खंजर चल गए हैं। बता दें कि एक्ट्रेस जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस अक्सर उनकी तस्वीरों पर लाइक्स और कॉमेंट्स के जरिए अपनी-अपनी प्रतिक्रियाएं देते हैं। इन फोटोज में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस आमना शरीफ ने व्हाइट कलर की ड्रेस पहनी हुई है, जिसमें वो एक से बढ़कर एक किलर पोज देती हुई नजर आ रही हैं। ओपन हेयर और मिनिमल मेकअप कर के एक्ट्रेस ने अपने इस लुक को और भी ज्यादा शानदार तरीके से निखारा है। उनका ये लुक फैंस को काफी पसंद आ रहा है। आमना शरीफ सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। इन दिनों एक्ट्रेस भले ही टीवी से दूर हैं लेकिन आए दिन अपने लेटेस्ट पोस्ट शेयर कर फैंस को पर्सनल लाइफ से जुड़े अपडेट्स देती रहती हैं।

आखिरकार आ ही गया कार्तिक आर्यन की भूल भुलैया 3 का पहला लुक

बॉक्स ऑफिस पर दिवाली धमाका बनकर आएंगे रूह बाबा

कार्तिक आर्यन की फिल्म भूल भुलैया-3 का पोस्टर रिलीज हो गया है। इसी साल दीवाली पर रिलीज हो रही ये फिल्म एक बार फिर दर्शकों को हंसाने के लिए तैयार है। कार्तिक आर्यन ने अपने इंस्टाग्राम पर इसका पोस्टर शेयर किया है। इस पोस्टर को पोस्ट करते हुए कार्तिक आर्यन ने लिखा, दरवाजा खुलेगा... इस दिवाली। डायरेक्टर अनीस बज्मी की ये फिल्म बॉक्स ऑफिस पर हंगामा काटने के लिए एक बार फिर तैयार है। इससे पहले इस फिल्म के 2 पार्ट सुपरहिट रहे हैं. भूल भुलैया के पहले पार्ट में अक्षय कुमार ने लीड रोल निभाया था। वहीं इसके बाद दूसरे पार्ट में कार्तिक आर्यन और कियारा आडवाणी लीड रोल में नजर आए थे। अब कार्तिक भूल भुलैया-3 के साथ बड़े पर्दे पर लौट रहे हैं। डायरेक्टर प्रियदर्शन की फिल्म भूल भुलैया 12 अक्टूबर 2007 को रिलीज हुई थी। फिल्म में अक्षय कुमार, विद्या बालन, अमीषा पटेल और शीनी अहूजा जैसे कलाकार अहम किरदारों में नजर आए

थे। ये फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सुपरहिट रही थी। बॉक्स ऑफिस इंडिया के आंकड़ों के मुताबिक 32 करोड़ रुपयों के बजट से बनी इस फिल्म ने कमाई के मामले में सभी को चौंका दिया था। फिल्म ने 82 करोड़ रुपयों से ज्यादा की वर्ल्डवाइड कलेक्शन की थी। वहीं कुल 68 करोड़ रुपये भारत में कमाए थे। फिल्म ने पहले ही दिन करीब 4 करोड़ रुपयों की कमाई कर सुपरहिट का अंदाजा लगा दिया था। वहीं भूल भुलैया का दूसरा पार्ट 2022 में रिलीज किया गया। 20 मई 2022 को रिलीज हुई भूल भुलैया-2 ने भी कमाई के मामले में कमाल कर दिया. इस फिल्म को डायरेक्टर अनीस बज्मी ने डायरेक्ट किया था। 90 करोड़ रुपयों से बनी इस फिल्म ने 263 करोड़ रुपयों की कमाई कर सभी को चौंका दिया था। अब इस फिल्म का तीसरा पार्ट भी इस साल दिवाली पर रिलीज के लिए तैयार है। मेकर्स को हर बार की तरह इस पार्ट से भी बंपर कमाई की उम्मीद है।

विक्की विद्या का वो वाला वीडियो से शानदार वापसी करेंगी मल्लिका शेरावत

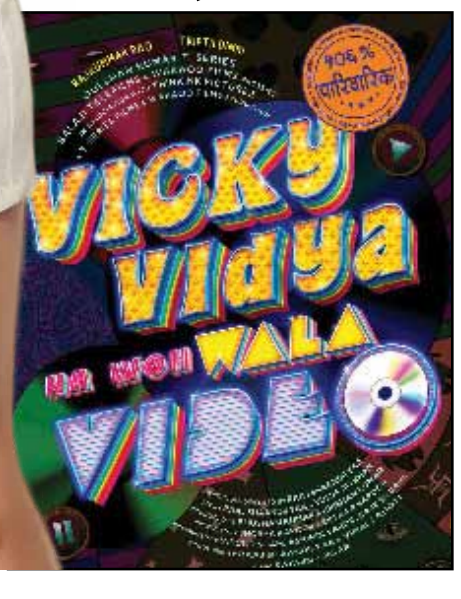

अभिनेत्री मल्लिका शेरावत पिछले लंबे समय से अपनी आगामी फिल्म विक्की विद्या का वो वाला वीडियो को लेकर सुर्खियां बटोर रही हैं। उनके साथ इस फिल्म में तृप्ति डिमरी और राजकुमार राव भी नजर आएंगे।मल्लिका इस फिल्म के जरिए लंबे अंतराल के बाद पर्दे पर वापसी करने जा रही हैं।ख्वाहिश, मर्डर, प्यार के साइड इफेक्ट्स और वेलकम जैसी फिल्मों नजर आ चुकीं मल्लिका का विक्की विद्या का वो वाला वीडियो में बेहद अलग अवतार दिखने वाला है।विक्की विद्या का वो वाला वीडियो के निर्देशक राज शांडिल्य ने बताया कि मल्लिका फिल्म का हिस्सा कैसे बनीं।शांडिल्य ने कहा, मैंने मल्लिका को ध्यान में रखकर यह भूमिका लिखी थी। फिल्म 90 के दशक पर आधारित है और उनका किरदार एक मध्यम वर्गीय आधुनिक महिला का है। जब हमने मल्लिका से संपर्क किया तो उन्होंने सोचा कि हम उन्हें एक डांस नंबर ऑफर कर रहे हैं, लेकिन ऐसा नहीं था। राज बोले, मल्लिका को जब पता चला कि हमने यह किरदार उन्हीं को ध्यान में रखकर लिखा है तो उन्होंने फौरन फिल्म के लिए रजामंदी दे दी। वह इसमें एक निडर साहसी महिला की भूमिका में नजर आएंगी, जो अपने समय से काफी आगे है। विक्की और विद्या का वो वाला वीडियो 11 अक्टूबर, 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए पूरी तरह तैयार है। यह एक कॉमेडी-ड्रामा फिल्म है, जो 1990 के दशक में रेट्रो थीम पर आधारित है।फिल्म के निर्देशन की कमान राज शांडिल्य ने संभाली है, वहीं भूषण कुमार इसके निर्माता हैं। फिल्म की कहानी भी शांडिल्य ने लिखी है।यह पहला मौका है, जब राजकुमार और तृप्ति कलाकार साथ काम कर रहे हैं।